

विदेह विदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'विदेह' ३४९ म अंक ०१ जूनाग २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९) 'विदेह' ३४९ म अंक ०१ जूनाग २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९)

ए अंकमे अछि:-

१. गजेन्द्र ठाकुर- संघ लोक सेवा आयोग/ रिहाय लोक सेवा आयोगक परीक्षा लेन मैथिली (अनिवार्य आ वैकल्पिक) आ आन वैकल्पिक विषय आ सामान्य ज्ञान (अंग्रेजी माध्यम) हेतु सामग्री [एन.टी.ए.- यु.जी.सी.-नेट-मैथिली लेन सेहो] [STUDY MATERIALS FOR UPSC (UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION) & BPSC (BIHAR PUBLIC SERVICE COMMISSION) EXAMS - MAITHILI (COMPULSORY & OPTIONAL) AND OTHER OPTIONALS AND GENERAL STUDIES (ENGLISH MEDIUM)] [FOR NTA-UGC-NET-MAITHILI ALSO]

२. गद्य

२.१. गजेन्द्र ठाकुर- समिया रोपनि (संपादक डा. प्रमोद कुमार)- ४३ टा रीहनि कथा लेखकक समिया संग्रहक समीक्षा

२.२. वरीन्द्र नाथ मिश्र- मातृभूमि (उपन्यास)- १म खेप

२.३. गजेन्द्र ठाकुर- द हागतम्

२.४. ज्ञानरश्मि कंठ- झ त्र त्र

२.५. शैशिकांत कर्ण- रीहनि कथा- रँडका भुज

३. पद्य

३.१. बाज किशोर मिश्र- सुखस्

३.२. झुना जी- करिता-दनान

३.३. झुना जी- किछ तँका

४. स्त्री कोना

४.१. कम्पना सा- पान

४.२. सुभद्रा मिश्र भार्या- २ टा रीहनि कथा

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह रिदेह Videha बिदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृताम् 'रिदेह' ३४९ य अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष ९३ मास ९१३ अंक ३४९)
Go to the link below for download of old issues of VIDEHA Maithili e magazine in .pdf format and Maithili Audio/ Video/ Books/ paintings/ photo files. रिदेहक प्रवान अंक आ ऑडियो/ वीडियो/ पोथी/ चित्रकला/ फोटो सभक डाउनलोड करबाक हेतु नीचाँक लिंक पर जाउ।



VI DEHA ARCHI VE रिदेह पेठाव



2008)

View Vi deha googlegroups (since July



view Vi deha Facebook Official Group (since January 2008)- for announcements



विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह विदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha:
Ist Maithili Fortnightly eJournal विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका विदेह: मैथिली साहित्य
आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'विदेह' ३४९ म अंक ०९ जुनाग २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९)

१.

गजेन्द्र ठाकुर

Videha e-Learning



[संग लोक सेवा आयोग/ रिहाब लोक सेवा आयोगक परीक्षा नैन मैथिली (अनिरार्य
आ ऐहिक) आ आन ऐहिक विषय आ सामान्य ज्ञान (अंग्रेजी माध्यम) हेतु सामग्री]

[एन.टी.ए.- यू.जी.सी.-नेट-मैथिली नैन सेहो]

[STUDY MATERIALS FOR UPSC (UNION PUBLIC SERVICE
COMMISSION) & BPSC (BIHAR PUBLIC SERVICE COMMISSION)
EXAMS – MAITHILI (COMPULSORY & OPTIONAL) AND OTHER
OPTIONALS AND GENERAL STUDIES (ENGLISH MEDIUM)]

[FOR NTA-UGC-NET-MAITHILI ALSO]

[एन.टी.ए.- यू.जी.सी.-नेट-मैथिली नैन/ FOR NTA-UGC-NET-MAITHILI]

NTA-UGC-NET-MAITHILI-01 - गजेन्द्र ठाकुर

NTA-UGC-NET-MAITHILI-02 - गजेन्द्र ठाकुर

NTA-UGC-NET-MAITHILI-03 (श्री शेषु अयाव सिंह द्वारा संकलित)

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ य अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९)

यू. पी. एस. सी. (मेम) ऑप्शनल: मैथिली साहित्य विषयक टेस्ट सीरीज

यू.पी.एस.सी. क प्रिनिमिनरी परीक्षा सम्पन्न भऽ गेल अछि । जे परीक्षार्थी एहि परीक्षामे उत्तीर्ण कबताह आ जँ मेममे हुनकर ऑप्शनल विषय मैथिली साहित्य हेतहि तँ ओ एहि टेस्ट-सीरीजमे सम्मिलित भऽ सकैत छथि । टेस्ट सीरीजक प्राबल्य प्रिनिमिक विजल्लक तकौन रौद होयत । टेस्ट-सीरीजक उत्तर रिद्यार्थी स्कैन कऽ

editorial.staff.videha@gmail.com पर पठा सकैत छथि, जँ मेमसँ पठैरामे असोर्ज नोहति तँ ओ हमर द्वाइमएप नम्बर 9560960721 पर सेहो प्रश्नात्तर पठा सकैत छथि । संगमे ओ अपन प्रिनिमिक एडमिष्ट कार्डक स्कैन कएन कऽपी सेहो रेबिफिकेशन नैन पठारथि । परीक्षामे सब प्रश्नक उत्तर नहि देमय पढ़ैत छैक ह्मदा जँ टेस्ट सीरीजमे रिद्यार्थी सब प्रश्नक उत्तर देताह तँ हुनका नैन श्रेयस्कर बहति । रिदेहक सब स्कीम जेकाँ गहो पूर्णतः निःशुल्क अछि । - गजेन्द्र ठाकुर

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिरिन सरिसेज (ह्मदा) परीक्षा, मैथिली (ऐच्छिक) नैन टेस्ट सीरीज/ प्रश्न-पत्र- १ आ २

TEST SERIES-1- गजेन्द्र ठाकुर

TEST SERIES-2- गजेन्द्र ठाकुर

MAI TH I LI (COMPULSORY & OPTI ONAL)

UPSC MAI TH I LI OPTI ONAL SYLLABUS

BPSC MAI TH I LI OPTI ONAL SYLLABUS

मैथिली प्रश्नपत्र- यू.पी.एस.सी. (ऐच्छिक)

मैथिली प्रश्नपत्र- यू.पी.एस.सी. (अनिरार्थ)

मैथिली प्रश्नपत्र- बी.पी.एस.सी.(ऐच्छिक)

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

विदेह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९) मैथिलीक रत्नी

१

मैथिलीक रत्नी- रिदेह मैथिली मानक भाषा आ मैथिली भाषा सम्पादन पाठ्यक्रम

भाषापक

२

मैथिलीक रत्नीमे पर्याप्त रिरिधता अछि । मूदा प्रश्नपत्र देखना उतब एकव रत्नी गणु BMAF001 सँ प्रेषित बुझागत अछि, से एकव एकवा एक उखड़ हातेम उनठा-पुनठा दियो, ततरे धरि पर्याप्त अछि । यू.पी.एस.सी. क मैथिली (कम्पनसरी) पेपव नेन सेहो आ पर्याप्त अछि, से जे रिद्यार्थी मैथिली (कम्पनसरी) पेपव नेने छथि से एकव एकठा खाव फास्ट-वीडिंग दोसब-उखड़ हातेम कबथि।

I GNOU गणु

BMAF-001

MAI THI LI (OPTI ONAL)

TOPIC 1 [Place of Maithili in Indo-European Language Family/ Origin and development of Maithili language (Sanskrit, Prakrit, Avhatt, Maithili) भारोपीय भाषा परिवार मध्य मैथिलीक स्थान/ मैथिली भाषाक उद्भव ओ विकास (संस्कृत, प्राकृत, अवरहट्ट, मैथिली)]- गजेन्द्र ठाकुर

TOPIC 2 (Criticism- Different Literary Forms in Modern Era/ test of critical ability of the candidates)- गजेन्द्र ठाकुर

TOPIC 3 (ज्यातिवीक्षिब, रिद्यापति आ गोरिन्ददास मिनेरैसमे छथि आ बसमय करि चतुव चतुवजु रिद्यापति कानीन करि छथि । एतय समीक्षा शृंखनाक आवस्य कवरैसँ पूर्व चाक गोठेक शिद्यारनी नर शिद्यक पर्याय संग देन जा बहन अछि । नर आ पुवान शिद्यारनीक त्रानसँ ज्यातिवीक्षिब, रिद्यापति आ गोरिन्ददासक प्रश्नावतबमे धाव

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृताम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूना २०२२ (वर्ष ९३ मास ९१३ अंक ३४९) खाओत, संगहि शिद्धकोष रङ्गनासँ खाँटी मैथिलीमे प्रस्ताव निखारामे धाख आस्तु-आस्तु खतम होयत, नेखनीमे प्रवाह आयत आ सुचा भारक अभिराजि भय सकत।)- गजेन्द्र ठाकुर

TOPI C 4 (रौद्रीनाथ आ शिद्धारनी आ मिथिलाक प्रथि-मत्तु शिद्धारनी)- गजेन्द्र ठाकुर

TOPI C 5 (रैनू एडीमिन- प्रथम पत्र- नोबिक गाथामे समाज ओ संस्कृति)- गजेन्द्र ठाकुर

TOPI C 6 (रैनू एडीमिन- द्वितीय पत्र- रिद्यापति)- गजेन्द्र ठाकुर

TOPI C 7 (रैनू एडीमिन- द्वितीय पत्र- पद्य समीक्षा- रौनगी)- गजेन्द्र ठाकुर

TOPI C 8 (रैनू एडीमिन- प्रथम पत्र- लोक गाथा नृ नाटक संगीत)- गजेन्द्र ठाकुर

TOPI C 9 (रैनू एडीमिन- द्वितीय पत्र- यात्री)- गजेन्द्र ठाकुर

TOPI C 10 (रैनू एडीमिन- द्वितीय पत्र- मैथिली वामायण)- गजेन्द्र ठाकुर

TOPI C 11 (रैनू एडीमिन- द्वितीय पत्र- मैथिली उपन्यास)- गजेन्द्र ठाकुर

TOPI C 12 (रैनू एडीमिन- प्रथम पत्र- शिद्ध रिचाव)- गजेन्द्र ठाकुर

TOPI C 13 (तिवहता निपिक उद्भर ओ विकास)- गजेन्द्र ठाकुर

खननगक-१-२-३ खननगक- ४-३

TOPI C 14 (खाधनिक नाटकमे चित्रित निर्धनताक समस्या- शिद्ध कर्माव सिंह)

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



वि दे ह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृताम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९)
TOPI C 15 (स्वातंत्र्योत्तर मैथिली कथामे सामाजिक समबसता- अकण कृमाव सिंह)

TOPI C 16 (यू. पी.एस.सी. मैथिली प्रथम पत्रक परीक्षार्थी हेतु उपयोगी संकलन, मैथिलीक प्रमुख उपभाषाक क्षेत्र आ ओकर प्रमुख विशेषता, मैथिली साहित्यक आदिकान, मैथिली साहित्यक कान-निर्धारण- शिल्प कृमाव सिंह)

TOPI C 17 (मैथिली आ दोसर पुरविद्या भाषाक बीचमे सम्वन्ध (राँगा, अमिया आ ओढ़ि या) [यू.पी.एस.सी. सिनेरस, पत्र-१, भाग-“ए”, फेम-३.]) - गजेन्द्र ठाकुर

TOPI C 18 [मैथिली आ हिन्दी/ राँगा/ भोजपुरी/ मगही/ संथाली- रिहाव लोक सेवा आयोग (बी.पी.एस.सी.) केव सिरीन सेवा परीक्षाक मैथिली (ऐहिक) विषय नेना]- गजेन्द्र ठाकुर

GENERAL STUDIES (PRELIMINARY & MAINS)

GS (Pre)

TOPI C 1 - गजेन्द्र ठाकुर

GS (Mains)

NCERT-ENVIRONMENT CLASS XI-XII

NCERT PDF I-XII

SANSAD TV

<http://prasarbharati.gov.in/>

<http://news onair.com/>

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

विदेह विदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha:
Ist Maithili Fortnightly eJournal विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका विदेह: मैथिली साहित्य
आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'विदेह' ३४९ म अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९)
OTHER OPTI ONALS

IGNOU eGYANKOSH

-गजेन्द्र ठाकुर

विदेह सम्मान
विदेह सम्मान

१. गद्य

www.videha.co.in

१.१.गजेन्द्र ठाकुर- समिया रोपनि (संपादक डा. प्रमोद कुमार)- ४३ टा रीहनि कथा
नेथकक समिया संग्रहक समीक्षा

१.२.वरिन्द्र नावायण मिश्र- मातृभूमि (उपन्यास)-१म खेप

१.३.गजेन्द्र ठाकुर- द हागत स

१.४.ज्ञानरश्मि कंठ- झ व ड

१.५.शेखिकांत कर्ण- रीहनि कथा-रङ्का भङ्ग



विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

गजेन्द्र ठाकुर

समिया रोपनि (संपादक डा. प्रमोद कुमार)– ४३ ठा रीहनि कथा लेखकक समिया
संग्रहक समीक्षा

१

समिया-साम रीहनि कथा संग्रह माने ४३ ठा रीहनि कथा लेखक माने १.घनश्याम घनेरो, २.झल्लाजी, ३.नावायणजी, ४.प्रमोद कुमार ना 'गोहून', ५.डा. प्रमोद कुमार, ६.झली कामत, ७.अमरेश कुमार नाभ, ८.रिद्धा चन्द्र ना 'रैमरैम', ९.सल्लु कर्ण, १०.रिद्धेश्वर ठाकुर, ११.आभा ना, १२.शिर कुमार, १३.प्रियंदा, १४.महाकांत प्रसाद, १५.प्रभाष अकिंचन, १६.आशीष अनचिन्हाव, १७.पूनम ना, १८.श्रुती संतोष, १९.जराह नान कश्यप, २०.सुभाष कुमार कामत, २१.नीबज कर्ण, २२.कुमारी आवती, २३.कल्पना ना-१ (रौकारो), २४.कल्पना ना-२ (पठना), २५.सरिता ना 'सोनी', २६.रिनीता ठाकुर, २७.मृगान आशुतोष, २८.अमर ठाकुर, २९.मनीषा ना, ३०.करी ना, ३१.उम प्रकाश ना, ३२.हिमाद्रि मिश्र 'हिम', ३३.गवा मल्लिक, ३४.कंचन कंठ, ३५.बाजेश रम 'भरादित', ३६.मिसिदा, ३७.जयन्ती कुमारी, ३८.कल्पना कुमारी, ३९.सविना मिश्र, ४०.नन्दनी ना, ४१.भुरनेश्वर चौबिसिया 'भुरने', ४२.अमर कान्त नान आ ४३.दीपा मिश्र। २३ गोठ पुरुष आ २० गोठ महिला रीहनि कथाक अछि ए संग्रह।

संग्रहक पुरुष रीहनि कथाकाव

१.घनश्याम घनेरो, २.झल्लाजी, ३.नावायणजी, ४.प्रमोद कुमार ना 'गोहून', ५.डा. प्रमोद कुमार, ६.अमरेश कुमार नाभ, ७.रिद्धा चन्द्र ना 'रैमरैम', ८.सल्लु कर्ण, ९.रिद्धेश्वर ठाकुर, १०.शिर कुमार, ११.महाकांत प्रसाद, १२.प्रभाष अकिंचन, १३.आशीष अनचिन्हाव, १४.जराह नान कश्यप, १५.सुभाष कुमार कामत, १६.नीबज कर्ण, १७.मृगान

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



विदेह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९) आशुतोष, १५. अमर ठाकुर, १६. ओम प्रकाश ना, २०. बाजेश रमा 'भरादिह', २१. मिसिदा, २२. तुरनेश्वर चौबिसिया 'तुरनेश', २३. अमर कान्त नान ।

संग्रहक महिना रीहनि कथाकार

१. झुली कामत, २. आभा ना, ३. प्रियरदा, ४. पूनम ना, ५. श्रद्धा संतोष, ६. रुमावी आवती, ७. कल्पना ना-१ (रौकारो), ८. कल्पना ना-२ (पठना), ९. सरिता ना 'सोनी', १०. रीनीता ठाकुर, ११. मनीषा ना, १२. करी ना, १३. हिमाद्रि मिश्र 'हिम', १४. गवा मल्लिक, १५. कंचन कंठ, १६. जयन्ती रुमावी, १७. कल्पना रुमावी, १८. सार्निना मिश्रा, १९. नन्दनी ना, आ २०. दीपा मिश्रा ।

महिना रीहनि कथा लेखकक आ संख्या आह्लादकारी अछि । आ तब लेन सम्पादकक अप्पन दृष्टिकोण प्रशंसनीय अछि । सम्पादकक अप्पन बहर अथनो मैथिलीमे एकठा गुण सन अछि, से कष्टकारी धरि अरु अछि ।

२

४३ गोठ लेखकक ५७ ठा रीहनि कथाक समिया-साम रोपनि लेन अछि ।

घनश्याम घनेरोक “अछोप” मैथिलीकेँ सोंगव दह ठा बखराक सम्पादकीय प्रयास दिस नक्षित ह्वाँ री ले झुला कठाह अछि तँ झुलाजीक “होकास ! ” अछि-मिठाह ।

नावायणजीक “रुशेन” बाजमोहन ना केव रीहनि कथा “चनह”(देखू रिदेहक ७१म रीहनि कथा

रिसेयाक https://videha123.files.wordpress.com/2010/10/videha_01-10-2010.pdf) सन मानर प्रश्रुतिकेँ देखैत अछि आ एकर प्ठाँठपव अछि । से रीहनि कथामे सेहो प्ठाँठ होगत अछि आ एकर प्ठाँठपव दू तबहक रीहनि कथा नीखन जा सकैए से सिद्ध लेन । प्रमोद रुमाव ना “गोहन”क रीहनि कथा अनंत आ कनासिकन दृष्टिक निर्माण करैत अछि, से रीहनि कथामे तकव पनथति ले, से कहैरना गनत सिद्ध लेन । मैथिलीकेँ सोंगव दह ठा बखराक सम्पादकीय प्रयासक सम्पादक डॉ. प्रमोद रुमावक ५ ठा रीहनि कथा ए संग्रहमे अछि । आ से रीचा उचिते कह छन्हि जे मायकेँ रीबयानी ले रीनरह अएने तँ ओ पिछ्छन लेन तँ ओहो गुगन, कनासकम आ पी.पी.पी आ किदनि सभ ले रीमने कोराना-पश्चात कानमे पिछ्छन लेनाह । झुली कामतक हेमिनिजम “गर्भ ह्वाँस्टन”क “हेबसँ देहकेँ स्वतंत्र कवरक प्रयास” सँ पविनक्षित होगत अछि । से रीहनि कथा हेमिनिजम लेखन लेन सेहो ओजाव रीनराक योग्यता बखैत अछि । अमरेश रुमाव नाभक “कविकी”मे आ मत आव प्छु लेन

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



वि दे ह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष १३ मास १९३ अंक ३४९)

अङ्कित- “पढ़ि निथि ले नैक आ कोण रङ्क नोकरी नागि ले जागक !”, आ से काबीसँ गोब हेरौक नर मनहम छी, आ तखन रँव हेबैमे कोनो योगति ले छैत । रिद्धा चन्द्र ना “रँमरँम” प्रेम-पिशाचसँ अपने अस्मित छथि “माफ कइ सकी तँ”मे; आ कक्काकेँ एमे ओ साहँत छथि “प्रभा”मे आ ए पिशाचकेँ सल्लेन्द्र कर्ण रौराजीक “दिमाग हूजुर” कहैत छथि..... अन्तिम सन । रिद्धेश्वर ठाकुर धरि पुरातन नोक छथि हुनका ले रैठौक रँदमाशी “सोकाज”मे पसिल्ल छन्हि आ ले पुरातन रँदमाशी “रँहसन कनिया” मे । आभा ना केब “नाज” पुरखक नैतिकताक पवित्रापाव चोष्ट अछि । शिर हमाव सेहो “हर्मनिष्ठा”मे पवित्रावमे नर अर्थराश्रक रातारवामे होगत नमनेकेँ चिन्हित करैत छथि । प्रियम्वदा “स्वाभिमान”मे- “रैठौ केब रिवाहक मूना”क विरोधमे छथि । महाकाव्य प्रसाद “गोनी”मे प्रधानमंत्रीक “मोनक रात”क गोनीसँ तुनना करैत छथि, हँ प्रधानमंत्री शिष्टक ओ प्रयोग ले केने छथि । प्रभाष अकिंचन रिवाहसँ ठामे पूर मोन पढ़ैत उपनयन संस्कारक समझमे “कपवड्डिला” निथैत छथि । आशीष अनचिन्हाक “स्थिति” रिवाह-पूर आ रिवाह पश्चात स्त्रीक अरुणापव अछि तँ पुनम ना “उपदेश”क मादँ हविष्ठा दै छथि जे कोना नोकक उपदेशे आ कबनी मे अन्तव होग छै । श्रद्धा संतोष “मोन भार” मे पुरखक रीतसे रूप देखैत छथि आ संगे नाबीक भित्तका शिष्ट सेहो । जराहव नान कथप “रुक्म”मे मानिक आ रुक्मक मनोरिज्ञानमे जागत छथि आ “हीरो”मे सेकूपियव सन “गुनारँ गुनारँ सन सुगंधित बहत भने ओकव नाम किछु आव भइ जाय” नाम-चलीसापव निथै छथि । सुभाष हमाव कामत “क्रोड रड”क माध्यमसँ देखैत छथि जे रैठौक जन्मक समाचार नोककेँ प्रसन्न करैत छै ह्मदा समाजक घटनाक डरे ओ ओकवा जन्म ले देमइ छहिए । ह्मदा प्रसन्न बेनाह ह्मदा सुधा ठैनीरिजन समाचार देखि चिन्तित भइ गेली । नीबज कर्ण “ह्लादर्स डे” केब माध्यमसँ हठिनतापव प्रहार करै छथि । ह्मदारी आवतीक “जीवनसंगी” ह्मदा स्त्री-पुरखक पनी-पति रूपमे सहमेनु हेरौक सेहो आस रँनेने बथैत अछि । कम्पना ना-१ (रौकारो)क “संताप” गंगाक प्रदूषणपव टिप्पणी अछि तँ “सम्पत” रैठौ आ माँ केब आगत देखि रैठौक आकाशकेँ गहिकी नजबिसँ देखैत अछि । कम्पना ना-२ (पठना) “ह्लेमरुकिआ जिनगी” मे वृद्धारुश्रक समझाक संग ह्लेमरुक पोस्टपव संगे टिप्पणी कइ जागत छथि, से रीहनि कथामे छोट आकावक रादो दृष्टी प्लॉट संगे समाहित भइ सकैए सेहो सिद्ध करै छथि । सरिता ना “सोनी”क स्त्री-रिमर्श “नौत”मे देखाव होगत अछि, भूख पुरखकेँ पहिने नगेत छै की ? रिनीता ठाकुरक “समय केब मावन” ‘समयक हेल’ भूखक माध्यसँ रँतेरौक प्रयास थिक । मृगान आशुतोषक “नूठन के थर्ड ना” नीर-जन विनेशनमे बहनिहावि स्त्रीक दर्शा देखैत अछि ह्मदा समापन रिशेतासँ ले ह्मदा क्रिया-प्रतिक्रिया (“नूठन के थर्ड ना”)क माध्यसँ करैत अछि ओना

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



विदेह विदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'विदेह' ३४९ म अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९) क्रिया-प्रतिक्रिया शैलिक प्रयोग ओ ले करैत छथि काव्य मिथिनामे एतेक साम्प्रता तँ खारिये गेल छै जे “नृत्तन के थडि ना” कहने लोक ओकर अर्थ “क्रिया-प्रतिक्रिया” बुझि जेते। अमर ठाकर “नाम उच्च कान रूच” मे “रूच १ ह्वा तो का ह्वा जैसे पेड़ खजूब” केव अर्थ हबिछुलैत छथि। मनीषा मा “निपुत्र” केव माध्यमसँ एक्ल गोटके “अपना का” आ “अनका कान” दू कान दू तबलक राजिन्न होएर देखलैत छथि। करी मा “आस”मे माय आ रूचाक दू पवित्रिहिमे लठ आ “दुगब” मे मनुष्य आ पशु दू क एक्ल सन कष्ट अनुभव कवरौक रिरचना केने छथि। ओम प्रकाश मा केव “पुवना दाना”- “नर घब उठै, पुवान घब खसे” केव रिपरीत पुवना दानाक खसराक कथा ले रबन छिड़क जोड़क आश्रय-स्थानक कथा छिड़। रीहनि कथाक ओ समीचीन अनु छिड़, हुनकर “स्पर्शन पवित्र” जे विदेह मैथिली रीहनि कथा [विदेह सदेह ३.] मे संकलित भेल छल सेहो अली तबलक करीब-ऊनठरासी सन छिड़। रीहनि कथाक अनु अली तबलक हेरौक चाली, से गप हम रीहनि कथाक समीक्षाशिल [विदेह सदेह ३.] मे लिखने छी। हिमाद्रि मिश्र “हिम” केव “अधिकाव” मे मास-पुतोहक उतवाचौड़ १ रर्षित छिड़। गवा मल्लिक “पीड़ न जाने कोय” मे दूथ रिसवरौक जेन बाति भवि जाँत पिसराक उदाहरण द२ रीहनि कथामे मनोरेज्ञानिक रिल्लेषण कवरौक क्षमताके देखलैत छथि, बाति काँठर मोक्षिक होग छै, दिन तँ कष्टि जाग छै। कंचन कर्ष रवारवीमे रीहनि कथाक अनु हास्य करैत छथि। बाजेश रमा “भरादिल” रर्तमानक भूत रनर आ हेव दूमे रिराद हएर केव माध्यम सँ किछु आव कहि जाग छथि। मनुष्य रोन रदननापव अपन रिचारो अहिना तँ रदनैत छिड़। मिसिदा अपन रीहनि कथा “सपना” सेहो ए गपके साहित्य, वचना आ बाजनीति केव तीन संकल्पनाक माध्यमसँ पाँच पाँतिमे हबिछा दग छथि। जयन्ती हमावीक रौनड रीहनि कथा छिड़ “थोमी”, तामसमे किचेनमे रर्तन पठकरसँ शुक भेल ओ रीहनि कथा घरेलू सहायिका सोनी केव स्त्री रिमर्ससँ शुक भेल ह्दा मनकिनी रेखा सेहो ओग रिमर्सक हीस छथि ओत२ जा क२ खतम, आ ओ कवरौक सामर्थ्य, जकवा एपेक्ल-समापन कहि सके छिड़, लेखिकामे छिड़। कल्पना हमावीक “समावन मोन” हिम्मा-रूख १पव केन्द्रित छिड़। साँझा मिश्र धवि “भगरती जनम जेनी” मे स्त्रीक समस्या जेन स्त्रीये दोखी री स्त्रीयो दोखी रँजेत सुनागत छथि। नन्दिनी मा ह्दा “भदरा” मे एकवा ऊनठि दैत छथि आ मासक प्रगतिशील हेरौक प्रमाण प्रस्तुत करैत छथि। नुरनेश्वर चौबिसिया “नुनेश” अपन “सहमत” मे रकथोथीके प्रहाज करैत हास्य उपेक्ष करैत छथि आ सह अमर कानु नान अपन “एम आव पी” मे करैत छथि। दीपा मिश्राके बुझन छिड़ जे “चनाक” रेशी स्त्री होगत छिड़ ह्दा कह छथि “पुवथे होगत हेते” आ से कहि ठेव बास काज पुवथसँ कवरौ जेत छथि।

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



समिया रोपनि (समिया रीहनि कथा-संग्रह) केब सम्पादक डॉ. प्रमोद कुमार ए संग्रहक भूमिकामे रीहनि कथाक गुणक विषयमे निथेत छथि जे “एकबा मे एगो पैघ कथाक सब गुण होगछ। जेना कथोपकथन, रातारवण, शिंप, तथाक गाँधीर्य, उद्धृष्ट आ प्रार्थनिकता आदि।”

हनुकर रीहनि कथाक नपना अछि कठोव रूपसँ १०० शिष्ट जे पढ़न जा सकय २ मिनटमे- एनामे २ मिनट नूडभक रिज्ञापन मोन पढ़नाग स्वाभाविक। हनुकर सम्पादकीय सामर्थ्य अछि जे किछ हास्य तँ किछ गम्भीर, किछ मन्त्री-विमर्श तँ किछ कोरोना आ फेसबुक सन्दर्भित सब तबहक रीहनि-कथा ओ ए संग्रहमे देननि। से हास्य कथिका सेहो सन्दर्भित बहनापन रीहनि कथाक रूपमे चिह्नित आ संकनित भऽ सकैत अछि (देखु रीहनि कथाक समीक्षाशिल्ल- रिदेह सदेह ३) ओ से सिद्ध केननि। अष्टाध्यायीक भाषा ओकर आकावक कएक गुणा रैशी आकावमे कएन जेरोक खगता ओकर बचनक मोठा-मोठा ३ सय रैथिक राँदे अन्तर्गत भेल आ से भेलौ कएन। तहिना ए संग्रहक रीहनि कथा सबक समीक्षा संग्रहक हीसक रूपमे ले रबन् स्वतंत्र रूपेँ सेहो जँ कएन जाय तँ ओ सब अपन आकावसँ कएक गुणा रैशी स्थान छेकत। आ से ए संग्रहक संकनित रीहनि कथा सबक विशेषता अछि आ तँ नैन संकननकर्ता-सम्पादक धन्यवादक पात्र छथि।

अपन मंतरा editorial.staff.videha@gmail.com पब पठाउ।

वरिन्द्र नारायण मिश्र- मातृभूमि (उपन्यास)-१म खण्ड

७

नागपर्वतपर्व चंद्रिका जागत-जागत अधमक भए गेल बहथि। हनुकर साँस जेब-जेबसँ चलि बहन छननि। झूँसँ नाव-पौष्ठा खसि बहन छननि। सबके भेलौ जे आरंभ आ नहि रैचतीह। तारै नाग राँरा सेहो ओतए पहुँचि गेनाह।

“हम कतए आरि गेलहुँ ?”-आँखि खोलितहि चंद्रिका रैजनीह। हनुकर चाक कत नोकक कबमान नागि गेल छन। सौंसे जानकी धामसँ नोग सब जूँटि गेल

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



वि दे ह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९) बहए । सबक मोनमे एतरे जित्तासा बँहक-“चंद्रिका की हान छनि ? कानीकान्त अपन पनौ गौरीक संगे महादेर ! महादेर ! करैत बहथि ।

झुदा संयोग कछु जे नागरौरा सही समयपर भेटि गेलथिन । ओ त्रुवत जडुी-रुँठी देलथिन । किछु माडुहूक सेहो केनथिन । नागरौराक उपचाव सही बहन । चंद्रिकाकेँ हेशि आरि गेलनि । कनीके कानक रौद चंद्रिका आँथि खोननीह ।

चंद्रिकाकेँ हेशिमे देखि कानीकान्त आ गौरीक प्रसन्नताक अंत नहि छन । ओ चंद्रिकाकेँ रापस अपन घब नए जएराक हेतु आगा रँठनाह ।

“ठहक । हिनकर संकष्ट अथन खतम नहि भेल अछि । -नाग रौरा रँजनाह ।
मे सुनि कानीकान्त ओ गौरी दू गोठे ठमकि गेलाह, हेल साहस कए पछित छथि-

“आरि की समस्या आरि गेल ? ”

“आरि नहि गेल, अएने अछि । चंद्रिकाक देह दिस किएक नहि देखेत छिथनि ? ”- नाग रौरा रँजनाह ।

“ ओ की भए गेल ? केहन उज्ज्व धप-दप एकव रँप छन । एकव देह तँ काबी सिखाह भए गेल अछि । ” -कानीकान्त रँजैत छथि । गौरीकेँ तँ रँकारे नहि हूँनि ।

“रँसक हिनकर प्राण रँचि गेलनि झुदा जहव रँहूत भयानक छन । तकरे प्रभारसँ हिनकर शरीरक बंग काबी भए गेल अछि । ”

“ओ ठीक भए सकैत अछि कि नहि ? -कानीकान्त रँजैत छथि ।

“हम सर तँ प्रयासे कवरँ आगा महादेरपर निर्भर करैत अछि । ”

“अपने सही निदान रँताउ । हम सब एहि हेतु अपनेक रँहूत आभावी बहरँ । चंद्रिकाक जहिना जान रँचि गेल तहिना हिनकर कपक बम्मा कएन जाए । ”

“जहव सौंसे देह पसवि गेल छन । जँ कनिको देवी होगत तँ हिनकर प्राण नहि रँचैत । ”

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



वि दे ह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९)

"किछु उपाय कबिठक जाहिमँ चंद्रिका अपन मौनिक स्वरुपकेँ प्राप्त कबथि । "

"हम अरथ प्रयास कबरँ । "

"हिनकब देहक बंग ठीक हेराक थाधा-थाधी संभारना अछि । "

जाहिमँ चंद्रिकाक स्नायु ठीक भए जानि से कएन जाए "- कानीकान्त रँजनाह ।

"चंद्रिकाक अनाजमे किछु समय नागत । रँटर् याँ होएत जे ओ हमब आश्रमेमे दू-तीन दिन बहि जाथि । "

"कोनो हर्जा नहि । अहाँ तँ हुनकब पितातन्या छिथनि । हुनकब कन्याक चिंता हमवासँ रैसी अपने कए सकैत छी । "- कानीकान्त रँजनाह ।

चंद्रिकाक हानत देखि जयन्त रँहूत दुखी बहथि । हुनका चिंतित देखि आचार्यजी कहनथिन-

"जयन्त अहाँ रँहूत चिंतित नागि बहन छी । "

ओ की रँजितथि ? चंद्रिकाक प्रति हुनकब मोह कष्टक कारण छन । आचार्यजी तँ ज्ञानी छनाह । हुनकब मौनक रात रूमनथिन ।

"अहाँ रिद्वान छी । भारी प्रेरन होएत अछि । एकबा केँ ठाँवि सकैत अछि । अनाज चनिए बहन छनि । समयक संगे सब किछु अपने ठीक भए जेतैक । अस्तु, हमबा लोकनिकेँ सही समयक प्रतीक्षा कबरौक चाली । "- आचार्य रँजनाह ।

आचार्यक रात मानि जयन्त हुनका संगे शोबदा ऋजु नौष्टि गेनाह । संगे-संगे आश्रमक समस्त रिद्यार्थी सेहो नौष्टि गेनाह । नागरौराक पवामर्ष मानि कानीकान्त सेहो गौरीक संगे त्रिफुल्ल भरण नौष्टि गेनाह । ओ सब चंद्रिकालेँ अनाजकेँ प्रधानता देनथि । अमनमे हुनकब बंग ततेक कारी भए गेन छन जे ककरो चिंता भए जेतैक, हेब ओ सब तँ ओकब माता-पिता बहथिन । हेब नाग रौरापब हुनका सबकेँ पूर्ण रिश्नास छननि । नागरौराकेँ अनाकामे के नहि जनैत छन ? अपना स्नेहमे ओ रँहूत यशस्वी छनाह ।

चंद्रिकाक संगे भेन एहि दुर्घटनाक राँद जयन्त रँहूत परेसान बहैत छनाह । हुनका मौनमे कतहू-ने-कतहू बहनि जे हुनके चनते चंद्रिकाक आ हान भेननि ।

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृताम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूना २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९) ने ओ हिनका नग अरितथि, ने हुनका साँप कटितनि । दिन-बाति ओही विषय सभपब सोचैत बहैत छनाह ।

"अहाँ रँहूत परेसान नागि बहन छी ।"-आचार्यजी कहनथिन ।

"हमबा तँ किछु हुवागते नहि अछि । नाथ कोशिनि करैत छी मोन बहि-बहि कए ओतहि पहुँचि जागत अछि ।"

"आ नीक नम्रण नहि अछि, जयन्तु ! अहाँकेँ विद्याध्यानपब ध्यान देरौक चाही । शेष रसु गौण थिक ।"

जयन्तु किछु नहि राजि सकनाह । जखन दू-तीन दिन एहिना छुटपुट करैत रीतन तँ जयन्तुकेँ नहि बहन गेननि । ओ छपचाप नाग परतपब पहुँचि गेनाह । संयोगसँ थोडेरें कानक रौद कानीकान्तु गौरीक संगे सेहो ओतए अएनथि । ओहि ठाम जयन्तु परेसान एमहब-ओमहब ठहनि बहन छनाह ।

"अहाँ रँहूत परेसान रूमा बहन छी ?"-कानीकान्तु प्रश्नैत छथि ।

ओ किछु नहि राजि सकनाह । चंद्रिकाक स्नायुक चिंतासँ जयन्तुक हानत खबाप भेल जा बहन छन । गौरीक दुखक तँ अँते नहि छन । कानीकान्तु तेओ धैर्य बाखरें उचित रूमननि । हुनका नाग रौरापब रिश्वास रैनन बहनि । ओ मोने-मोन हनुमानजीकेँ गोहवारें नगनाह । नागरौराक प्रयाससँ चंद्रिका पूर्ण ठीक भए गेल बहथि । हुनका पूर्ण अरुणामे देखि कानीकान्तु रँहूत प्रसन्न भेलथि । रूदा गौरी अखनो जेना मानसिक अरुसादमे होथि ।

"आरँ कथीक चिंतामे पड़न छी ?"-कानीकान्तु रँजनाह ।

"चिंताक तँ राते अछि । आथिब चंद्रिकाकेँ आ समस्या सभ किएक भेलनि ? कही आ सभ किछु षड्यंत्र तँ नहि अछि ?"

"अहाँक माथा तँ सदिखन उनैठे सोचैत बहैत अछि । एकठा दुर्घटना छनैक जकब अंत भए गेल । आरँ एहिपब रैसी माथापचीक कोनो उचित नहि अछि ।"

कानीकान्तु कहैत छथि-

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९)

"हमबा लोकनि अहाँक रहूत ऋणी छी । कहि नहि एहि महान उपकारक रदना हम सब कोना सधा सकरै ? "

"एहिमे उपकारक कोन रात भेलैक । हम तँ निर एहन काज कबिते बहैत छी । जा तँ संयोग भेल जे हमबा अपने लोकनिक सेराक अरसब सेहो भेटैत । चंद्रिका पूर्ण सुख भए गेलीह । हिनका नए कए आर कोनो चिंतक रात नहि अछि । "- नाग राँरा रँजनाह । कानीकान्त आ गौरी नाग राँराकेँ रहूत धन्यवाद देलनि । चंद्रिका आर पहिनेसँ रैसी सुंदर नगैत छलीह । नागराँराकेँ प्रणाम कए ओ अपन माता-पिताक संगे ब्रिक्स्टन भवन नौटि गेलीह । जयन्त अमगर शोबदाऊँज रापस चलि गेलथि ।

अपन मंतरा editorial.staff.videha@gmail.com पब पठाउ ।

गढ़-नाविकेन उपन्यास-त्रयीक पहिन उपन्यास "सहस्रशीर्षा" क राँद दोसब उपन्यास

गजेन्द्र ठाकुर

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

द हागम

१

हमर नाम छी.....आ गाम “गढ़ नाबिकेन”

शुद्ध दिन अफिससँ दस रँजे बातिमे घुबनहुँ तँ डेवा पहुँचिजे रैठी स्वागत केनक ।
रूमा गेन जे कसन अछि । पछुनिई जे की भेन तँ ओ मोन पाइनक जे अम्का
सिनेमा देखेबाक प्राग्राम छुने । हमर एहि जरारपब कि देवी भइ गेन अछि आ थाकन
छी, ओ सोहापब झूह घुमा कइ रैसि गेन आ कथुक उतुरे ले दिअ । कनियारै
कहनियहि जे कान्हि सिनेमा चले चनरँ से ले हेते कावण +९९ रँना शो तँ खतम
भइ गेन हेते । ओ रैठीसँ पछि कइ ओतहियेसँ चिकवि कइ कहनहि जे अहाँ अम्का
प्रामिस केने बहिई । हँ प्रामिस तँ केने बहिई, तकवा पूरा तँ करेये पड़त ।
फेब मोन पड़न जे सबकाब नागठ शो देखेबाक अन्नमति थियेठब सभकेँ देने छै,
से आग कान्हि ९९ सँ २ रँजेक शो सेहो देखि सकै छी । “रूक माग शो” मागठपब
आननागन ठिकठ कठेनौं आ से देखि रैठीक बसरँ खतम भेले । रैठी, कनियाँ आ माँ
तीनू गोठे तैयाब भइ जाग गेना आ सिनेमो जे पड़ि नागन सेहो मनगब ।
मानमे एक्क दू ठाँ तँ नीक सिनेमा रँले छै रँनीरूडमे ।

दू रँजे बातिमे सिनेमा देखि कइ घुबि बहन छनौं, बस्तामे गाढ़ीक नागठ एकठाँ रँइका
होर्डिगपब पड़ने, आ ओहने रँहूत बस होर्डिग अरैत गेन ।

ओग होर्डिग सभपब बाज्यक महिना अखामंत्रीक कनी अगवायन सन अन्नमद्वाराँना होठे
छुने । ओना तँ रैठीसँ रेशी बनिंग कमेन्ट्री हमरी करै छी, बस्तुक सभठाँ चीजक
रिसुत रिरवण दैत गाढ़ी चनरै छी, कथनो कान जखन दू हाथ छोड़ि थिम्मा आगू
रँइरै छिई तँ ओ ठेकितो अछि आ सड़कक सभठाँ कानून, रेड-नागठ, ग्रीन नागठ,
जेब्रॉ फ्रामिंग, सभठाँ ओ रूमरँ नगैए । अदा ए होर्डिग सभकेँ हम अन्ठा देनिई
आ सोचिकइ जेजँ कहरै तँ उनठे स्वना दैत जे आ सभ हमरा रूमने अछि । अदा
एरैब से ले भेन । शीसा थोनि कइ ओ अचवजसँ हमवासँ पछनक-

“आ ककब होठे छिई डेडी ? ”

“आहो ले रूमन अछि, हनना दीदी अखामंत्रीक होठे छियहि आ” ।

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



वि दे ह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष १३, मास ११, अंक ३४९)

“मवि गेनखिन्ह की ? कहिया ? ”

कनी कान तँ हमबा बुझाबै ले आएन आ जखन आयन तँ ततेक हँसी नागन जे गाड़ि चनेनाग झुकिन । माँ कनियाँ आ रैठाकेँ कहनियहि जे आ कितारैमे पढ़ैए जे झुगनाक राँद रँडका होठे आ मूर्ति रँले छै से एकबा भेलै जे मवि गेनीह झुखामेनी आ स्तनमे एका दिनक छुट्टी ले भेलै । झुदा आग काहि तँ जिरितेमे रँडका होठे आ मूर्ति सब रँन नगन छै । हमबा संगे सब पेठ पकड़ि कइ हँस नगना । रैठी हतप्रभ सबकेँ देखैत बहन । तखने हमर फोनक घण्टी बोजन आ हम जेरीसँ फोन निकाननहिये बही तखने ओ हमबा दिस ओशवा कइ कय स्त्रीयविगपव ध्यानदेरी नइ कहनक तँ हम गाड़ि केँ सड़कक कात नगा कइ गाड़ि ठाढ़ कइ नेलौं ।

“सूतन छनौं की, उठा देनौं । ”- फोनमेसँ अराज रहबागए ।

“ले, एते जन्दी कहाँ सूते छी, कि कोनो जकबी गप अछि ? ”, दू रँजे बाति कइ अहिमक हाकिम रीना काजेक फोन किए कबत, से जकबा अस्तिष्ठ कह छै तहिना प्रछा गेन छन ।

“अम्सक ट्रेमा सेन्ठव आरि सकै छी, आउ तँ हेल आगाँ गप हेते” ।

डेवा पहुँचि, कपड़ि । रँदनि कइ डुँवरकेँ रँजरै छी, अपन गाड़ि नइ जायर तँ पार्किंग भेलैत आकि ले से मोचि कइ । गेठपव उतवि कइ जखने ट्रेमा सेन्ठवक भीतव जाग छी तँ अराज अरैए-

“सब, अम्हव छी हम” । हमर अस्तिष्ठक सहर गानकेँ हाथसँ साठने हमबा शोब करै छथि ।

“अछि एते छी, हाकिम रँजेने छथि, तँ हम आयन छी” ।

“हमरे दुखारे रँजेने छथि, अठैक कइ देनक गन्दा सब” ।

“कतइ, कोना ? ”

ओ अपन गानपवसँ हाथ हठरै छथि तँ गान दू ठुँकड़ि दू दिस भेल देखागत अछि ।

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

हमब “हाँ, हाँ” कहना उतब ओ धड़कड़ । कइ अपन हाथसँ गानकेँ साँठि ले छथि ।

हम कह छिन्हि— “अहिना केने बह, अहाँकेँ अपन गान देखा ले पड़ि बहन अछि तेँ अहाँकेँ पता ले अछि जे” । छप भइ जाग छी ।

“कते कानसँ एतइ छी ? ”

“एक घण्टासँ छी । जखन आग.जी., जी.आग.जी. सहरँ सभ कनी कान पहिने एना तखनसँ कनी ध्यान देनकहेँ । एहो सभ की कबते, देखे ले छिँ भइ” ।

एकठा ड़ाकठब हनका रँजाकेँ नइ जाग छन्हि एकठा कोठनीमे । ओग कोठनीक राहब सभ हाकिम जमा छथि, सभ गम्भीर झुदा रँनेने छथि । लोकन थाना रँना सभ सेहो आरि गेन अछि । थाना रँना सभ सहँ कइ हमबा नग आरि गेन ।

दरोगाजी हमबा अपन मोरांगन निकानि एकठा री.डी.ओ. देखै छथि ।

“देखूँ एँ ग्लुदा सभकेँ, हमरेपब पाथब फेकि बहन अछि” ।

हरनदाब सहरँ ठिपनखिन्ह जे ओग साबकेँ हजूर जेन पठा देनखिन, सभठा गजेबी-चबसी सभ छै । कोनो डरे-भब ले नोग छै । हजूर कइ मोठबसागकिन थानेपबसँ चोबा नेनकन्हि, तकब अथनि धरि पते ले चनन छै ।

हम दरोगाजीसँ प्रह्नियन्हि— “अहाँकेँ की नगेँ, की एँ नँ एन्ड आँडबक गप छै आकि आँहिसक काजसँ एकब कोनो समझ छै” ?

ओ कह छथि जे मामिनामे पेंच छै । तहकीकात तँ जरबदस्त ठंगसँ हेते । झुदा ओ सेहो कह छथि जे मोठा-मोठा एँ “नँ आँ आँडबक समझा छिँ । झुदा देखूँ तहकीकातमे की निकलेँ...

गंसपेकठब सहरँक गान सीरि देन गेन छन्हि । गंसपेकठब सहरँ हमबा कह छथि जे गान तँ दू ठँकड़ ी भइ गेन छनै से हनका रँमने ले छन्हि, सीनाक राद ड़ाकठब अएना देखेने छन्हि से देखि कइ पता चनन्हि ।

सभ हाकिम अपना-अपना घर दिस रिदा भेना । सबकाबी गाड़ ी गंसपेकठब सहँ कइ नइ गेनन्हि आ हम ड़रबकेँ होन नगेनौं ।

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



.....
....
अगिना दिन भोरे-भोव अहिम गेलौं तँ खर्दनी अशिवामे कहनक जे एकठा
अनहर्माव आसन अछि । हम कहनिँ जे ककरोसँ भैँठ कवा दैतिँ, एतेक गोठे
अहिममे अछि तँ कहनक जे कहए जे अहीसँ भैँठ कवत, कहए जे हमव अनाकक
हाकिम छथि, अनकापव ओकवा भरोस नै छै ।

“हमव अनाकक छी ? कतुक्का छी ? नामो-गाम रँता देनक की ? ”

“नाम तँ नै रँतेनक म्हादा कहनक जे गामक नाम कहि दियौन्ह हाकिमकेँ, अपने रँजा
नेता । गामक नाम जे कहनक से रिचिबे.... किदन तँ ... “गढ़ नाबिकेन” ! ”

२

कएक दिन रीति गेल, डेठा, डेठा, डेठा...

रैनेंस शीठ, अखन हासन, हेल अकाउण्ट, हेल अनरोगस..

हेव सब हेल अकाउण्ट नेन एकठा कनसोनिडेठेड अनरोगस.. आ तगसँ रँनन प्रायन
रैनेंस... आ से डेठा गेल चार्टेड अकाउण्टेड नग । आ तखन रँनन अडिठेड रैनेंस
शीठ.. पकिया रँना !

“एतेक सामग्री अहाँ नग अछि, अहाँ कोनो पैघे नोक छी, कावणी कोनो संगठनक
छोठ-छीन नोकक हाथमे एतेक डेठा नै एते । गढ़-नाबिकेन एकठा बहस छै आ अ
बहस छिँ अ दुनियाँ” ।

“हमहुँ छी एकठा बहस । गढ़-नाबिकेनक कर्ज । हम सबठा गप कहब, किछु नुकाएर
नै अहाँसँ, से समए आएत । एकरेव जखने शुक कइ देनौं अहाँ अ काज, तखने हम
निश्चित भइ गेलौं । हमवा रँमन छन जे अनका अ डेठा देखेरै तँ ओ रँमारो
कवत आकि नै, आ जँ रँमि कय डेवा रँ रिंका जाय । आगक रँद हमवा आ अहाँक
भैँठ नै हएत, कोनो सूचनाक आदान-प्रदान आगक रँद आरँ डार्क-रेरँ ठा पव
हएत” ।

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



वि दे ह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९) था ओ चलि गेल ।

ओकवा जिताएँ हम ।

ओ जीतत तँ जीतरँ हम ।

एतेक सूचना, एतेक धरि खसि गेल नूकक सूचना ?

सूचना था डेठा रँनि गेल अछि रँडका खेन । सभकेँ रूमन छै सभठा गप था सभ गरँदी यावने अछि रँसैन ।

डव..

कियो एकव कावण घब-द्वाव-पविरावकेँ रँचाएँ कहै, फैमिनी रँना छी, अपन नै तँ पविरावक चित्ता तँ करै पढ़त, तँ अपना नैन नै पविरावक नैन डेवागत छी... ओकवा की छै, नै आगू नाथ नै पाछू पगहा...

आ कियो-कियो होगत अछि रँताह, नै अपन चित्ता आ नै पविरावक.. रँौआगत छै ओकव पविराव...

कियो कनी कानमे थन्हि जागत अछि कियो कोनो पैघ दुर्घटनाक रँद थन्हत अछि आ कियो किछु भइ जाऊ थन्हिते नै अछि... आ एहनो नोक सभ अछि जकवा संग दुर्घटना होगते नै छै.. से ओ किअ थन्हत.. रँमाग छै जे ओकव रँडकति होगत छै अथनाह काज केने....

नागि बहन अछि जे कोनो अन्हाव तवहड़ि मे उतवन जा बहन छी, मीढ़ १ नीचाँ दिसि जाग छाग, पहिने कनी-मनी गजोत, हेल मनहन, हेल बाति मन अन्हाव आ हेल अन्हाव गज-गज, आगिपवक थापड़ि क अथोभाग...

गजोत कोनो आस नै ? आ जँ आरि जाएत गजोत तँ भइ नै जाग अन्हाव...

गजोतसँ डेवा बहन नोक ?

अन्हावेमे नागि बहन छै मोन आकि नगा बहन अछि मोन...

आ जे अछि रँताह ?

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

विदेह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ यं अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९) शैलितक वङ्ग देखा पङ्क्ति बहन अछि डेढामे, शैलित-शैलितामे... झुदा शैलितक वङ्ग सेहो काबि, अन्हाव-अन्हाव... शैलित तँ होगत अछि नान धूह-धूह... झुदा ए डेढाकेँ हमबा नग अरैत-अरैत देवी भन्ने गेलै.. नान-वङ्ग रैसी गाढ भेने काबि भन्ने जाग छै, आ देवी भेने सेहो...

देवी किए भेने ? रताह लोकक कमी तँ कहियो नै छुने ए लोकमे... झुदा नगैए जे आरै भन्ने गेल छै, आ से नै बहते तँ एतेक शैलित हाज डेढा, एतेक मात्रामे कोना थकिया जगतैक ? आ जँ बहरो कबितेक तँ तकव वङ्ग नान बहतेक, गवम बहतेक, काबि-पङ्क्ति पङ्क्ति नै बहतेक ।

सीढ़ी पङ्क्ति गेल अछि तबहङ्ग मे... तेहन रूनेक-होनमे जतन् जा कन् सभ किछु गुरुतराकर्षक अधीन भन्ने जागत अछि, जकव मध्य रिचित आश्रित अछि जन्म नन्नेने, देवाउन आ ध्वनि उपेन करैत... जेना समुद्रमे उठन अछि चक्रात...

सभ आश्रित घेब नैत अछि हमबा... पहिने हमर गप सुनू तँ पहिने हमब... हस्पीष्टनमे जे हानत होगत छै डक्कबक, रोगी सभ जखन घेबने बहै छाग ओका... ओतन् तँ रोगीक सङ्ग ओका परिवारक लोक सेहो बहै छै, झुदा एतन् तँ मात्र रोगीये ठाँ छै..

पहिन हागन

“सभ मानैए जे एकठाँ दैरीय शक्ति होग छै, सभ तबहँ नीक, सभसँ रैसी जानकाव आ सभसँ रैसी शक्तिशाली, जकवामे कोना अरुण नहि अछि, जे सभ ठाम अन्तर कएन जा सकय आ जे अछि सभठाँ रौद्रक ज्ञाता अछि । झुदा हेब दृष्ट शक्ति कोन तबहँ राख्या हएत ? हेब कोना होगए दृष्ट प्रति, किए होमए दैत अछि ओ आ दृष्टि” ?

अन्हावसँ निकनि बहन आ अरौज, दर्शनक एकठाँ समझाकेँ अनेत अछि । नाम छिये गोप ह्माव ।

“सभ हमरे दोखी मानैत अछि, झुदा दोखी कएक तबहक होगत छै, एकठाँ होग छै गैंगस्टर, एकठाँ नक्कन आ एकठाँ आतंकरादी आ एकठाँ हमरो सभ मन लोक” ।

“तीनूमे हमबा नेथे कोना अन्तर नै छै, जे बाज्यक रिकछ शिष्ट उठेनक से भेन दोखी, आ तकवा भेटैत सजा” ।

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



विदेह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ यं अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९)
“झुदा जूँ गैंगम्बर कहए जे ओ देशीभङ्ग अछि आ अहाँकेँ नकलन आ अतंकरादीक रिकछ अंपन सहयोग देत, तखन” ?

“तखन ओकर सहयोग नैत छी हम, झुदा ओगसँ ओकर केनहा माफ नै होग छै । हँ, ओकरा पश्चातापक एकठा अरसब भेटै छै । आ से तँ नकलनी आ आतंकरादीकेँ सेहो भेटै छै” ।

आ ओ कथा शुक करैत अछि, सबकथा । मानरक समस्त प्रगतिपव रिजयक पश्चात, मानरक मानरसँ संघर्षक कथा । दोसब महाभावतक प्राबन्ध, रैश्विक ऋक्शेक एक हास्यस्वप्नपव । देखा चाही कतेक निखम धुँटैत अछि एहि महाभावतमे, कतेक नर निखम रैनैत अछि एहि ऋद्धि क । कएकठा आशिक संचार होगत अछि आ कएकठा निवाशिक । गढ़ नाविकेन रँना ओ गन्धर्वम हेबसँ हमरा भीतब प्रगल्भक चपनता आनि देने अछि ।

“जे अहाँ कवरै सएह सही हएत आ जकब अहाँ विरोध कवरै से गनत हएत” । यएह कहने बहए गढ़ नाविकेनक रँसिन्दा आ यएह कहि बहन अछि गोप क्रमाव ।

हमब रँड १ग क२ क३ जान न२ जाग जो- हम सोचैत छी ।

“रँड १ग नै अछि जा । दृष्ट शिजिक कोन तबहँ राख्या हएत ? रँम् जे जा छी प्राबन्ध जे अहाँकेँ एतए आनन गेन अछि । सरंज्ञानी, सरंशिजिमान आ सभठाम उपस्थित शिजिक अछि दृष्ट शिजिक राख्याक द्वाव खुजत” ।

हमब सोचनारहो गपक उत्तर द२ बहन अछि गोप क्रमाव । जा एकठा नर अन्वृति अछि हमरा नैन । आगसँ पहिने हमब सोचनारहो गपक उत्तर स्वप्नमे कोनो शिजि द२ दग छन, रँ अर्ध-चेतनारहामे । अर्ध-चेतनारहामे माने जखन हम सोचरँ रँन्द करैत छी, थाकि जाग छी जे आरँ एकब उत्तर नै भेटैत, तखने कगएक घण्टाक बाद कोनो ट्रेफिक जाममे रँ सिनेमा देखैत कान रँ आगत कान, कगएक रँब सबन समाधान भेटै जागत अछि । स्वप्नक समाधानकेँ तँ हम दैरीय हस्तक्षेप मानैत छनहुँ झुदा अर्ध-चेतनारहामे भेटैन सबन समाधानकेँ शुकहमे अंपन तकरन समाधान मानैत छनौ । आब तँ आब अर्ध-चेतनारहाकेँ चेतनारह मानैत छनौ शुकहमे । झुदा स्वप्न कानक रँड त सबन समाधान अर्ध-चेतनारहाकेँ पविभाषित केनक आ अर्ध-चेतनारहामे भेटैन सबन समाधानकेँ सेहो दैरीय हस्तक्षेप सिद्ध केनक ।

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

विदेह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha:
Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य
आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष ९३ मास ९१३ अंक ३४९)
ई बचनापव अपन म 'तय' editorial.staff.videha@gmail.com पव
पठाऊ ।

ज्ञानरङ्गन कठ झ त्र त्र

आग उदयजीक नाम अथरावमे छपननि अछि । भोरेसँ रंधाग देनिहावक धरोहि नागन
छनि । ओ त' रिसबिअ गेन छनाह जे ओ कहियो 'अभिनर मैथिल साहित्य रिरचन
संस्थान'केँ अपन नर बचना डाक द्वारा पठा देने बहथिन,रूदा एकठाँ भारी गनती भ'
गेन बहनि । असनमे भेन आ बहक जे कोपीक जे पन्ना अपन आनेथ रूमि ओ
हाडने बहथिन ओहिमे हुनक रूँआ तीनठाँ अक्षर निथने बहनि- झ त्र त्र । आ
ओकरे निहायमे ध' क' साँठि देनथिन आ हिनकब निथन बचना कोपिअमे बहि गेन
बहनि । ताछमे अजगत आ जे हुनरूमिमे भेन एहि गनतीक भान हुनका आगधवि
भेने नहि बहनि । ओम्हव डाक पहुँचनक उपरांत भारी नयमेना उपेन्न भ' गेलैक ।
पन्नामे त' मात्र तीन गोठ अक्षर निथन बहक,रूदा आ पन्ना पठाउन किनका गेन
अछि,से रूमरँ मोशिकन भ' गेलैक । अंततोगत्वा निहायपवक प्रेषिती- प्रेषकक नाम
देथि पजीमे अंकित कय ओहि डाककेँ अक्षर महोदयक सोमा उपस्थापित क' देन
गेननि । ओ ओकरा संस्थानक रिद्वसेमितिक रिचारार्थ प्रस्तुत क' प्रतिवेदन प्रस्तुत कवरौक
नेन निदेशित क' देनथिन ।

समितिमे गहन समीक्षा भेलैक । अक्षर महोदय जकब कोनो रैशिफ्टा देखने हेथिन,
तखने एहि रिशिफ्टा समितिकेँ एतदर्थ निदेशित केनथिन अछि । सांगोपाग रिरचन-
उपरांत प्रतिवेदन निम्न प्रकारेँ अंकित क' अक्षर महोदयक समक्ष प्रस्तुत केन
गेलैक-

'आ आनेथ रिनक्षर अछि । मात्र तीन गोठ सहाज रर्षि ले केरन एकव शीर्षक

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



विदेह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृताम् 'रिदेह' ३४९ यं अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष १३, मास ११, अंक ३४९) थिकैक, अपिबु एहीमे एकव असीम संभारनासँ भवन कथा सेहो समाहित छैक । जे एहिमे जतेक गहीव उतबताह से ओतेक मून्यारान मोती पओताह । सभ दिनसँ सब रर्ष थ, आ, ग, अ, ... सँ शुकह कवरौक जे मिथ छन ताहिकेव जेवगव थडन क' अतिम पओदानपव ठाठ् स्फ, व, त्र सँ शुकह आ अत कवरौ एकठा प्ररन आ नरोन्माषी डेग कहन जा सकैछ । भिन्न-भिन्न अ तीनू रर्षकेँ एकसंग सठा क' निखनापव एकठा सार्थक शिष्ट निर्मित होगछ -स्फत्र अथत् स्फत्रक त्रता रा मर्मत्र । एतय 'स्फत्र'सँ आशिय छैक- रन, शिष्टि रा सत्रा । तकर मर्म जे जानि गेन, से असन तन्न पारि गेन । एर प्रकारेँ एक संग अ तीनू रर्ष एकठा रँडका दर्शन धावण कयने अछि । अ संभावक अतिसूक्ष्म, किंतु सभक साव आमेसात कयने रँड मून्यारान रिमर्षि दिस न' जयराँमे सम्म आनेथ अछि । एहिमे कथाक की कहन जाय, रँडका उपन्यासक रीज-तन्न समाहित छैक । जे जेहन सम्मतारान, से तेहन रिस्तार पारि सकैत अछि । अ तीनू रर्ष संयुक्त रर्ष थिक जे अशावा क' बहन अछि एकता आ एकताक शिष्टिक महत्ता दिस । एहिमे कौमी एकता आ रिश्तेरंध्रक आल्लान समारिष्ट छैक । अ एकठा नरीन साहित्यक मानक उपस्थापित करैछ आ पर्वपवारादी जडता ओ प्रवृत्तिपव जेवगव प्रहार कवरौमे सम्म सिद्ध भ' बहन अछि । चूकि अ देरनागरी निपिक तीन रर्ष धावण कयने अछि, एहि नेथपव संस्कृत, हिंदी, मैथिली एरम् अत्र ओ सभ भाषाक एक संग दारी रँनेत छैक जे एहि निपिकेँ अपनौने अछि । आगधवि एहन रँहभाषिक आनेथ कहियो केओ निखनेहे नहि छन । अ रिष्टि-मानकक समस्त एकठा पैघ डरेड पाडि बहन अछि । तेँ एहि अद्धत वचना आ वचनाकावकेँ सम्मानित कवरौक संस्तुति प्रदान कयन जागछ । '

ई वचनापव अपन मंतर editorial.staff.videha@gmail.com पव पठाऊ ।

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह रिदेह Videha बिदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha:
Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य
आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९)



शेनिकांत कर्ण
रौहनि कथा-रौडका भज

-रौरा ! दूखना रौडका भज बूनागए । घंटे-घंटा पिपवक गाछतब रैसि जप करैत
बैहए ।

-हैं हो । पहिने संताननेन भगरान- भगरान करै छन,थार संतानदूखारे भगरान-
भगरान करैहए ।

ई बचनापव अपन मंतरा editorial.staff.videha@gmail.com पब पठाउ ।

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह रिदेह Videha बिदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha:
Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य
आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृताम् 'रिदेह' ३४९ य अंक ०९ जूनाज २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९)



३. पद्य

३.१. बाज किशोब मिश्र- सुखसू

३.२. झुना जी- करिता-दनान

३.३. झुना जी- किछु तौका

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह रिदेह Videha बिदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha:
Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य
आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष ९३ मास ९१३ अंक ३४९)

बाज किशोर मिश्र

स्वस्थ

हम ताकि बहन छी पता स्वथक

भेटैत त' समाद पठाएँ,

डिगडिगिआ पीठ' क' सब कै,

जा-जा क' समाद सुनाएँ ।

अपना तबहँ ताकि बहन छथि ,

सब किओ स्वथ संसार मे,

अपन-अपन छन्हि राँठ सरहक,

नागैन्हि जे नीक, रिचाव मे ।

स्वथ पाँरै छथि किओ गीत गारि ,

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha:
Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य
आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृताम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९)
दए उपवागे, किउ पाउन सुथ,

सुन्दर-सुन्दर, सौंदर्य प्रसाधन

सँ किउ सजरेत, छथि निज झूथ ।

घोडा १-हाथी साजि कए,
होगत छुटि किनको, सकोब,
किउ, पारि केरन हून-पान,
क' दै छथि जय जयकाव ।

किनको त' दए बहन छुटि सुथ,
सम्पति के भंडाव,
आ, किनको नए धन-संग्रह,
पूरा पूरा, रैकाव ।

उपचाविकता निराहार,

किनको नैन सरोचि,
जीवन रिता नैत छथि ,
बथैत ओकरे रोच ।

गुमान पौसय मे किनको,

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha:
Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य
आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९)
बैत छन्हि रैड् भावी ह्नास,

निज खलकाव क' तृप्ति मे,

छथि परैत स्वथ ओ, रैत बास ।

किनको रिधु क' चाननि निहावि,

होग ने छन्हि, स्वथ समठन,

मानक' प्रविम गजोत देखए,

किओ, ओकरे नेन बकठन ।

राम मे पसबन, तावा मंडन,

ओ दृष्ट, किनको छु जागत अछि,

ओही के, किओ देख-देख क'

जोब-जोब, उँघागत अछि ।

भौतिक स्वथ-साधन, किनको,

होगत छैन्ह प्राण-समान,

संसार-रिषय सँ रैवागी,

छोडैत बैत छथि जान ।

भोकावि पावि कलैत छथि किओ,

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



विदेह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha:
Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य
आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृताम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष ९३ मास ९१३ अंक ३४९)
छोड़ोत कान निज गाम,

किनको खलिनाषा बहैत छन्हि ,

जाग दूब, कोनो ठाम ।

खठोड़व कूटि निरहित छथि,

रिखाहक' सभ बीति-बेराज,

आ', सुथ दैत छन्हि किनको ,

पवम्पवा तोड़' के काज ।

अदित होगत छथि पारि क'

अपनापन-अनुरोध,

किनको नीक नगैत छन्हि,

बाखरि रौतव संरंध ।

राजि-राजि पव पविताषा,

रंदलेत बहैत अछि सुथक',

किनका लेन की सुथ ? निर्भव अछि

खलिनाषा ओहि मनुथक' ।

मान, प्रतिष्ठा पारि जगत् मे,

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha:
Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य
आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृताम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूना २०२२ (वर्ष ९३ मास ९१३ अंक ३४९)
जयजयकाव कवारी,

थाँहिस जिनकब, कीर्ति मे
त्रिनोकक स्वथ हम पारी ।

कर्तुरा-पानन मे जिनका ,
संसारक, सभ स्वथ भैठन,
स्वथ पठनथि, उपकार, लाग मे,
अनकब दू:ख जे मेठन ।

किनको मोन मे, स्वथ ओ दू:ख,
दूहक मोन, समतून अछि,
हर्ष-रिषादक ओ समता
रैवाग्या-भार के मून अछि ।

झुदा, उठैत अछि प्रश्न थारै,
रासुर मे, स्वथ ककवा कही ?
रिषय अछि गूठ, कठिन अछि उतव,
की छै गनती ? की सही ?

होगछ मापेक्षिक, स्वथ क' कप,

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha:
Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य
आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृताम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूना २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९)
हव राजिक अपन छन्हि पबिभाषा,

झुदा, प्रलेक स्वथ अरथ बुमय,

मानरता आ कानूनक भाषा ।

जौ मोन खुश, त' रबसैत छै,
सभ स्वथ के प्रसन्न, अँगना मे,
एहि हूनक' गमक, गमकैत छै,
डिह-डारैब, हल्ला-हल्ला मे ।

कथमपि जकबी अछि ने आ,
सम्पत्ति सँ निकलैत अछि स्वथ,
आओव, अकिंचन के दोआवि,
डेवा देने रैसन अछि दूःख ।

हर्ष-रिषाद, समतुल्य बुमि,
चलैत छथि जे कर्तव्य क' रौठ,
स्वथ ओतहि भेटैतन्हि, जे चनाँथि ,
गृहस्थी किंवा बाजपाठ ।

गना-गना क' स्वथ ओ दूःख

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह रिदेह Videha बिदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha:
Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक अ पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य
आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूना २०२२ (वर्ष ९३ मास ९१३ अंक ३४९)
मिनाउन जाए समतुना,

सोच बनत एहि मिश्रण सँ,

होएत अ सोच, अमूना ।

अपन मंतरा editorial.staff.videha@gmail.com पब पठाउ ।

आमा जी
करिता-दनान

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha:
Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य
आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९)
जौ बाखरै हम रैहकी, अहाँ मोन रैच देरै
घवाड्ीक कबरै रात , सौंसै छैन रैच देरै

बहु ज' सदिखन रैन केने झूह हम अपन
बाखि हाथहि फुठैरान अहाँ गोन रैच देरै

रैचा के बाखू कोना अपन देहक ठठवी
अहाँ त' उतावि चामक खोन रैचि देरै

हम कहिया सँ ताकी असबा गजोतक
अहाँ त' गड्ा ते सरै ठा पोन रैच देरै

जौ तखनो मोन नै भवन एतरे सँ अहाँक
नगा के झूखड् १ हमब डरैन रोन रैच देरै

ई बचनापव अपन मंतरा editorial.staff.videha@gmail.com पव पठाड ।

झन्ना जी
किड तँका (TANKA)

1-गाम प्रवान
ताकू नर ठैकान
भेनौ जवान

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha:
Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य
आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूना २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९)

अहबिया हँन
पुर्णिमा केव चान

2-ननका पाग
बग हलीका पडन
कोना उघत
छोडन संस्कार
निरहता हएत

3-भाषा रँचाड
हस्तानुबित कक
अगिना पीठा
मिथिना हेबएन
कोना रँचा पएँ

4-दुनाव कक
माथ पब चढाड
रँछा गौबर
नतिया भगाओत
रँछीये देत काज

5-पाग दोपठा
रिद्युपतिक नाम
माना पहिक
नाम रँचि कमाड
निजभाषा गमाड

6-जोब जडन
पुवखा रँन पब
एँन एँड
रौठ नर रँनाड
हएत धरोहब

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह रिदेह Videha बिदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha:
Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य
आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूना २०२२ (वर्ष ९३ मास ९३ अंक ३४९)

ई बचनापव अपन मंतरा editorial.staff.videha@gmail.com पव पठाउ ।

४.५.१ कोना

४.५.२ कम्पना ना- पान

४.५.३ सुभद्रा मिश्र भार्या- २ ठा रीरुनि कथा

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha:
Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य
आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृताम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूना २०२२ (वर्ष ९३ मास ९१ अंक ३४९)

कल्पना सा

पान

हर् कब कब ने कोनो रात के

स्नाद में छुट्टि खतीर,

खान मूँह कि स्नान

स्नाद में ओ "स्वपवस्पर्शनिष्ठ",

पान क हम कि कब रंखान,

केहन स्नानि हबियब हबियब

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha:
Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य
आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूना २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९)
काव्य सन पात अछि,

चून कहथ आ दै सुपारी,

सौंफ क संग पान रहरा अछि,

जर्दा , तुनसी आ निर्मली तकव

ओहि पव तान अछि,

ददा क मुंह बमनगव नागै

थिनी धेने पान अछि,

ओमा क मुंह मोहनगव नागय

भ बहन ग्वनगान अछि,

रौत ओमवायन झुग मै सोमवायन,

दैत थिनी मुंह दर्राय,

सबपठ दिमाग दोड़ नागय

आन्हरो के बस्ता दिये देखाय,

माछ खाड़ु या मेरा मिसरी,

ज्या नय पान मुंह दर्रौनौ,

सर ठा रूम रार्थ गरैव

हाथ जोड़ा निहोरा कवय छी,

हमब नाजक बाखू मान,

छुप्पन भोग सजन अति तयो

पवतव नहि कवय पान क खान ।

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह रिदेह Videha बिदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha:
Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य
आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९)
-कम्पना मा, रौकारो, मावथंड

अपन मंतरा editorial.staff.videha@gmail.com पब पठाउ ।

सुभदा मिश्र भार्या
२ ठा रीहनि कथा
१
हकाव

रिहनि दाग ये रिहनि दाग क'त छैथ....हकाव पुरैए नए नहि जेतीह...

रिहनि दाग - धूब भोव स'ं हकाव पुरैत पुरैत ठा'ंग ठेठा बहन अछि । भवि ठैन
एक स'ंगे उपनयन मूड'न ठानि नैत छैक ।

छोठकी- चनथु ने.....नान मेया रहु खेखनिया'ं करैत बहथ.....

कहत छनीह कियो नहि अरैत अछि हमबा आ'ंगन मवरी पब गीत गरैक नैन....दूनु
साउंस पूतोह'ं बहत छी रस ।

रिहनि दाग - ए' दू ठूक सुपाड'ी पब दूनु सौंस पूतोह'ं नहि बहती त भवि
ठैनक नोक बहतनि....कहनके जे ।

चन्न हूनक अंगना चनेत छी । हमब हून सभ दिन ब'ंग रिब'ंगक रिगजी पबसैत

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृताम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९) छथि सङ्ग गीत गरैत-गरैत क'ठ स्वागत त ठठा सेहो पिअती।

२

प्रपंच

रिराहक रीस रँवख रौद पूतोह्.....माँ देखथुन ने खहि रँव नेहव गेन बहि तह
माँ पायन आ कान महक देनक।

मासु- रँस। भोग ह्या।

किछ दिनक पश्चात पितिया मासु- हे ये कनिया कनि हमरो देखय दिख मायक देन
गहना.....

कनिया- देखथुन काकी।

काकी- रँड दीप..... अपने किने हेर हँसियो के नेहवक पत्रिका फहरैत छी।

कनिया- हिनका जे सोचराक छैन्ह सोचोथ।

किछ दिनक पश्चात- ये कनिया ओहि दिन जे गहना देखि हम नेहवक पत्रिका रँना
गप्प कहने बहि.....खहिक साँस हमरा अहाँस कहिक नेन कहने बहथ।

अपन मंतरा editorial.staff.videha@gmail.com पब पठाउ।

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

स्थायी सुष्ठु जेना मिथिला-बने, मिथिलाक खोज, रिदेह पेठाव आ सूचना-संपर्क-अवलम्वण सभ अंकमे समान अछि, ताहि हेतु ई सभ सुष्ठु सभ अंकमे नग देन जागत अछि, ई सभ सुष्ठु देखरौ नैन किनक कक नीचाँ देन रिदेहक ३४६ म आ ३४७ म अंक, ए दू अंकमे सम्मिलित कएँ ई सभ सुष्ठु देन गेन अछि ।

“रिदेह” ई- पत्रिका: देरनागरी रस न	“रिदेह” ई-पत्रिका: मिथिलासुब रस न	“रिदेह” ई- पत्रिका: मैथिली- IPA रस न	“रिदेह” ई-पत्रिका: मैथिली-ब्रेल रस न
VI DEHA_346	VI DEHA_346_Ti r h u t a	VI DEHA_346 _I P A	VI DEHA_346_Br a i l l e
VI DEHA_347	VI DEHA_347_Ti r h u t a	VI DEHA_347 _I P A	VI DEHA_347_Br a i l l e

संघ लोक सेवा आयोग/ रिहाव लोक सेवा आयोगक परीक्षा नैन मैथिली (अनिरार्य आ अंतिक) आ आन अंतिक रिषय आ सामान्य ज्ञान (अंग्रेजी माध्यम) हेतु सामग्री

[STUDY MATERIALS FOR UPSC (UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION) & BPSC (BIHAR PUBLIC SERVICE COMMISSION) EXAMS – MAITHILI (COMPULSORY & OPTIONAL) AND OTHER OPTIONALS AND GENERAL STUDIES (ENGLISH MEDIUM)]

Videha e-Learning

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory

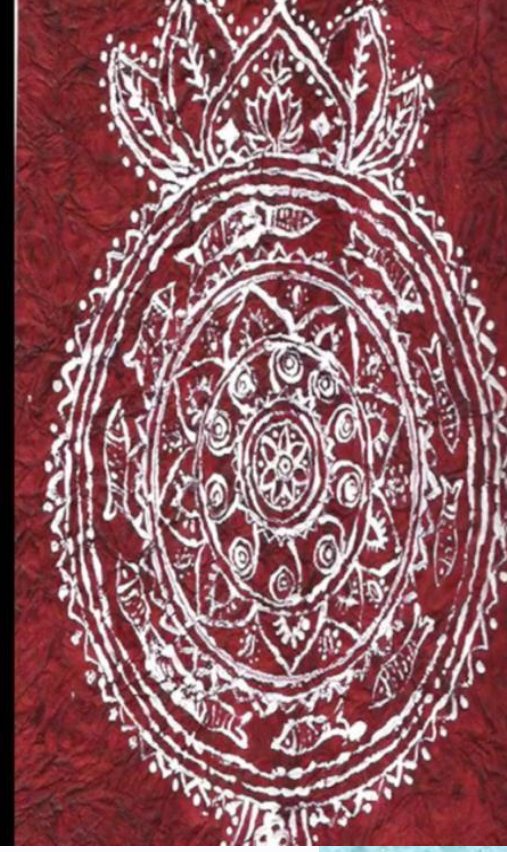


वि दे ह रिदेह Videha बिदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha:
Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य
आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूना २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९)



Videha
e-Learning

Gajendra Thakur



पेठाव (बिसोर्स सेन्टव)

शेद्ध-ब्याकवर्ग-अतिहास

MAITHILI IDIOMS & PHRASES मैथिली झुहारवा एरम् नोकोजि प्रकाशि- बमानाथ
मिश्र मिहिर (थाँटी प्रवाहयज मैथिली निखरामे सहायक)

डॉ. ननिता या- मैथिलीक भोजन सम्वन्धि शेद्धारनी (थाँटी प्रवाहयज मैथिली निखरामे
सहायक)

मैथिली शेद्ध संचय MAITHILI DICTIONARY- RAMDEO JHA (थाँटी प्रवाहयज
मैथिली निखरामे सहायक)

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूना २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९)

ENGLISH MAITHILI COMPUTER DICTIONARY

MAITHILI ENGLISH DICTIONARY

शशिमा सिंह -Shi shu-Geet-Khel-Ani ma-Singh

डॉ. वमण सा

मैथिली कार्यामे अनर्कब अनर्कब-भास्व

आनन्द मिश्र (सौजन्य श्री वमानन्द सा "वमण")- मिथिला भाषाक स्वरोध र्याकवण

BHOLALAL DAS मैथिली स्वरोध र्याकवण- भोला नान दास

बाधाप्रह्लाद चौधरी- A Survey of Maithili Literature

.....
मूनपाठ

तिवहता निपिक उद्भर ओ रिकास (यू.पी.एस.सी. सिनेरैस)

बाजेश्वर सा- मिथिनाम्बक उद्भर ओ रिकास (मैथिली साहित्य संस्थान आर्काइवर)

Surendra Jha Suman दत्त-रती (मून)- श्री सुरेन्द्र सा सुमन (यू.पी.एस.सी. सिनेरैस)

प्ररुह संग्रह- वमानाथ सा (रौ.पी.एस.सी. सिनेरैस) CIIL SITE

.....
समीक्षा

सुभाष चन्द्र यादव-बाजकमन चौधरी: मोनोग्राफ

शिर क्माव सा "टिहू" अश्व-समानोचना

डॉ. रैचेश्वर सा- B-J HA-Ni bhand-Ni kunj .pdf

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

विदेह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूना २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९)

डॉ. देवर्षिकव नरीन- Adhunik-Sahityak-Paridrishta

डॉ. वमन सा- भिन्न-अभिन्न

प्रेमर्षिकव सिंह- मैथिली भाषा साहित्य: रीसम शिताई (आलोचना)

डॉ. वमानन्द सा 'वमन'

हिताउन

अधियासन CIIL SITE

दुर्गानन्द मन्दन-चम्पू

RAMDEO J HA दत्त-रतीक रत्न कौशिन- डॉ. श्रीवामदेवसा

SHAI LENDRA MOHAN J HA पविचय निचय- डॉ. शैलेन्द्र मोहन सा

अतिविज्ञ पाठ

पहिने मिथिला मैथिलीक सामान्य जानकारी नैन एहि पोथी के पढ़:-

बाधाप्रज्ञ चौधरी- मिथिलाक गतिहास

हेब एहि मननगू हागन सबके सेहो पढ़:-

केदावनाथ चौधरी

चमेनीबानी

माह्व

कबाव

हमाव परन

पगठ (मैथिलीक सर्वश्रेष्ठ कथा) (साभाव अंतिका)

दायवीक खाली पन्ना (साभाव

अंतिका)

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha:
Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य
आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष ९३, मास ९३, अंक ३४९)
या.गेन्द पाठक रिया.गी- रिज्ञानक रैतकरी

बामनोचन ठाकुर- मैथिली लोककथा

.....
किछ मैथिली पोथी डाउनलोड मागठ (ओपन सोर्स)

SAHI TYA AKADEMI

<http://sahitya-akademi.gov.in/publications/e-books.jsp>

<http://sahitya-akademi.gov.in/general/Digitalbooks.jsp>

CIIL

<http://corpora.ciil.org/maisamhtm>

अखियासन (बमानन्द सा बमन)

<http://corpora.ciil.org/pdf/maidhili/pdf/MAI1.pdf>

जुआयन कनकनी- महेंद्र

<http://corpora.ciil.org/pdf/maidhili/pdf/MAI2.pdf>

प्ररंख संग्रह- बमानाथ सा (रौ.पी.एस.सी. सिनेरैस)

<http://corpora.ciil.org/pdf/maidhili/pdf/MAI3.pdf>

सृजन केव दीप पर- सं केदाव कानन आ खबरिन्द ठाकुर

<http://corpora.ciil.org/pdf/maidhili/pdf/MAI4.pdf>

मैथिली गद्य संग्रह- सं शैलेन्द्र मोहन सा

<http://corpora.ciil.org/pdf/maidhili/pdf/MAI5.pdf>

ARCHIVE.ORG (रिजयदेर सा)

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका **Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal** रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ य अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष १३ मास ११ अंक ३४९)

https://archive.org/details/%40vijay_deo_jha?&sort=-publicdate&page=2

VI DEHA MAI THI LI BOOKS/ PICTURE-AUDI O-VI DEO ARCHI VE

http://videha.co.in/new_page_15.htm

I GNCA

<http://ignca.nic.in/coilnet/maithila.htm>

<http://ignca.nic.in/coilnet/kalyani.htm> (MAI THI LI ENGLI SH DI CTI ONARY)

MI THI LA DARSHAN

<https://maithiladarshan.com/> (online pdf of Maithili journal)

OLE NEPAL's E-PUSTAKALAYA (<https://pustakalaya.org/en/>)

पौथीक निंक

मैथिली साहित्य संस्थान

<https://www.maithilisahityasansthan.org/resources> (online pdf of Reasearch Papers/ books)

अविपन फाउण्डेशन (<http://www.aripanafoundation.org/>)

PRATHAM BOOKS MAI THI LI STORYWEAVER

<https://storyweaver.org.in/stories/?language=Maithili&query=&sort=Rating>

https://www.youtube.com/playlist?list=PLAT74nNc2fmYaW29mRVAlgzRq63_9zWbI (मैथिली ऑडियो रेकॉर्ड)

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका **Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal** रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ य अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९)

पौथी डाँठ काय

<https://store.pothi.com/browse/free-ebooks/?language=Maithili>

I LOVE MITHILA

<https://www.ilovemithila.com/maithili-books-pdf-free-download/> (पौथी डाउनलोड लिंक)

<https://www.ilovemithila.com/> (online maithili journal)

<https://maithili.comnp/> (owner I Love Mithila)

प्यारे मैथिन

<https://www.youtube.com/channel/UCq30Llck2tNw8BI4t8jjzQg> (प्यारे मैथिन चैनल- किवण चौधरी आ संगीता आनन्द- मैथिलीक सभसँ लोकप्रिय यू ट्यूब चैनल)

जानकी एफ.एम समाचार

<https://www.youtube.com/user/Janakifm/videos> (जानकी एफ.एम समाचार)

आकाशवाणी दबङ्गा यू ट्यूब चैनल

<https://www.youtube.com/channel/UCGdNveEFmw4pPolWTEMxVA>

JNU

<http://sanskrit.jnu.ac.in/maithili/index.jsp>

http://sanskrit.jnu.ac.in/student_projects/lexicon.jsp?lexicon=maithili

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९)

VI DEHA e-LEARNING YOUTUBE CHANNEL

<https://www.youtube.com/channel/UC4abVKqMj2pDWAKXiOHp7A>

-गजेन्द्र ठाकुर

रिदेहक किछु विशेषांक:-

१) हागकु विशेषांक १२ म अंक, १३ जून २००८

[Vi deha_15_06_2008](#) [Vi deha_15_06_2008_Ti r h u t a](#) 12

२) गजन विशेषांक २१ म अंक, १ नवम्बर २००८

[Vi deha_01_11_2008](#) [Vi deha_01_11_2008_Ti r h u t a](#) 21

३) रिहनि कथा विशेषांक ७१ म अंक, १ अक्टूबर २०१०

[vi deha_01_10_2010](#) [vi deha_01_10_2010_t i r h u t a](#) 67

४) रौन साहित्य विशेषांक १० म अंक, १३ नवम्बर २०१०

[vi deha_15_11_2010](#) [vi deha_15_11_2010_t i r h u t a](#) 70

५) नाटक विशेषांक १२ म अंक १३ दिसम्बर २०१०

[vi deha_15_12_2010](#) [vi deha_15_12_2010_t i r h u t a](#) 72

६) नावी विशेषांक ११ म अंक ०९ मार्च २०११

[vi deha_01_03_2011](#) [vi deha_01_03_2011_t i r h u t a](#) 77

७) अन्नुराद विशेषांक (गद्य-पद्य भावती) ९१ म अंक

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृताम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९)

[vi de ha _01 _01 _2012](#) [vi de ha _01 _01 _2012 _tir huta](#)

97

+) रौन गजन रिशेषांक रिदेहक अंक ९९९ म अंक, ९ अगस्त २०२२

[vi de ha _01 _08 _2012](#)

[vi de ha _01 _08 _2012 _tir huta](#)

111

९) भक्ति गजन रिशेषांक ९९७ म अंक, ९३ मार्च २०२३

[vi de ha _15 _03 _2013](#)

[vi de ha _15 _03 _2013 _tir huta](#)

126

९०) गजन आलोचना-समानोचना-समीक्षा रिशेषांक ९४२ म, अंक ९३ नवम्बर २०२३

[vi de ha _15 _11 _2013](#)

[vi de ha _15 _11 _2013 _tir huta](#)

142

९९) कशीकांत मिश्र मधुप रिशेषांक ९७९ म अंक ९ जनवरी २०२३.

[Vi de ha _01 _01 _2015](#)

९२) अवरिन्द ठाकुर रिशेषांक ९५९ म अंक ९ नवम्बर २०२३.

[Vi de ha _01 _11 _2015](#)

९३) जगदीश चन्द्र ठाकुर अनिल रिशेषांक ९९९ म अंक ९ दिसम्बर २०२३.

[Vi de ha _01 _12 _2015](#)

९४) रिदेह सम्मान रिशेषांक ९८९ म अंक ९ दिसम्बर २०२३.

रिदेह सम्मान: सम्मान-सूची (समानास्तुव साहित्य अकादेमी प्रवक्ताव सहित)

साक्षात्कार/ समारोह

<u>साक्षात्कार</u>	<u>vi de ha _15 _12 _2011</u>	<u>vi de ha _15 _01 _2012</u>	<u>vi de ha _01 _02 _2012</u>	<u>vi de ha _01 _03 _2012</u>
<u>vi de ha _01 _09 _2012</u>	<u>vi de ha _15 _01 _2013</u>	<u>vi de ha _01 _03 _2013</u>	<u>Vi de ha _15 _04 _2016</u>	<u>Vi de ha _01 _07 _2016</u>

९३.) मैथिली सी.डी./ अन्तरिम गीत संगीत रिशेषांक- २९९ म अंक ०९ जनवरी २०२१

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९)

Vi de ha _01 _01 _2017

१७) मैथिली रेड पत्रकाविता विशेषांक

VI DEHA 313

१९) मैथिली रीति कथा विशेषांक-२

VI DEHA 317

१९) बामनोचन ठाकुर विशेषांक

VI DEHA 319

१९) बामनोचन ठाकुर शिवाजी विशेषांक

VI DEHA 320

२०) बाजनन्दन नान दास विशेषांक

VI DEHA 333

२१) बरीन्द्र नाथ ठाकुर विशेषांक

VI DEHA_348

VI DEHA_348_Ti r hut a

VI DEHA_348_I PA

VI DEHA_348_Br a

नेथकक आम्बित बचना आ ओगपब आम्बित समीक्षकक समीक्षा सीरीज

१. कामिनीक पाँच ठाँ करिता आ ओगपब मधुकान्त नाक टिप्पणी

रिदेहक दू सग नौम अंक Vi de ha _01 _09 _2016

"पाठक हमर पोथी किए पठ्थि"- नेथक द्वारा अप्पन पोथी/ बचनक समीक्षा सीरीज

१. आशीष अनचिन्ता 'रिदेह' क ३२१ म अंक ०९ अगस्त २०२१

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूना २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९) एडिटर चोगस सीबीज

एडिटर चोगस सीबीज-१

रिदेहक १२३ म (०९ फरवरी २०२३) अंकमे रानाकोवपव मैथिलीमे पहिन करिता प्रकाशित भेल छल । ए दिससँ २०२२ क दिल्लीक निर्भया रानाकोव कानूक रौदक समय छल । ओना ए अनूदित बचना छल, तेरुगमे पसुपुनेठी गीताक एहि करिताक हिन्दी अनुवाद केने छनीह आव. शांता सुन्दरी आ हिन्दीसँ मैथिली अनुवाद केने छनीह रिनीत उपेन । हमब जानकारीमे एहिसँ रेशी सहवारैरना करिता कोनो भाषामे नहि बचन गेल अछि । सात मानक रौदो ए समस्या ओहने अछि । ए करिता सभकेँ पढ़ाक चाही, खास क२ सभ रैठीक रौपकेँ, सभ रहिनक भाएकेँ आ सभ पनीक पतिकेँ । आ रिचाबराक चाही जे हम सभ अपना रौचा सभ नेन केहन समाज रनेने छी ।

एडिटर चोगस सीबीज-१ (डाउनलोड लिंक)

एडिटर चोगस सीबीज-२

रिदेहक ३०-१०० म अंकक रौच ब्रैस्ट कैसबक समझापव रिदेह मे मीना मा केब एकठा नघु कथा प्रकाशित भेल । ए मैथिलीक पहिन कथा छल जे ब्रैस्ट कैसब पव निखन गेल । हिन्दीमे सेहो ताखि एहि रिषयपव कथा नहि निखन गेल छल, काब एहि कथाक ए-प्रकाशित भेनाक १-२ मानक रौद हिन्दीमे दू गोठेमे घोघाडज भ२ बहन छल कि पहिन हम आकि हम, झुदा दूक तिथि मैथिलीक कथाक पवरती छल । रौदमे ए रिदेह नघु कथामे सेहो संकनित भेल ।

एडिटर चोगस सीबीज-२ (डाउनलोड लिंक)

एडिटर चोगस सीबीज-३

रिदेहक ३०-१०० म अंकक रौच जगदीश चन्द्र ठाकुर अनिक किछु रौन करिता प्रकाशित भेल । रौदमे हुनक ३ ठा रौन करिता रिदेह शिषु उमेरमे संकनित भेल जाहिमे २ ठा करिता रैरी चागन्डपव छल । पढ़ू ए तीनू करिता, रौदक दू रैरी चागन्डपव निखन करिता पढ़ै ठा कक से आग्रह ।

एडिटर चोगस सीबीज-३ (डाउनलोड लिंक)

एडिटर चोगस सीबीज-४

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूना २०२२ (वर्ष १३, मास ११, अंक ३४९)

रिदेहक ३०-१०० म अंकक रीच जगदानन्द आ मनुषक एकठा दीर्घ रान कथा कहि निख रौ उपन्यास प्रकाशित भेल, नाम छन चोचन। रौदमे ई बचना रिदेह शिशु उमेरमे संकनित भेल, ई बचना रान मनोरित्तानपव आधारित मैथिलीक पहिन बचना छी, मैथिली रान साहित्य कोना निखी तकव ट्रेनिंग कोर्समे एहि उपन्यासकेँ बाखन जेकराक चाही। कोना मंडर्न उपन्यास आगाँ रौद छै, स्टुप रौग स्टुप आ सेहो रान उपन्यास। पढ़ै ठी कक से आग्रह।

एडिटर चोगस सीरीज-४ (डाउनलोड लिंक)

एडिटर चोगस सीरीज-३

एडिटर चोगस ३ मे मैथिलीक "उमने कहा था" माने हमार परनक दीर्घकथा "पगठ" (साभाव अंतिका)। हिन्दीक पाठक, जे "उमने कहा था" पढ़ने हेत, केँ रूमन छन्हि जे कोना अहि कथाकेँ बचि चन्द्रधर शर्मा 'गुनेरी' अमर भूत गेनाह। हम चर्चा कइ बहन छी, हमार परनक "पगठ" दीर्घकथाक। एकवा पढ़नाक रौद अहाँकेँ एकठा रिचित, सुखद आ मोन होन करैना अन्तर भेटैत, जे सेकूपीविखन ट्रेजेडी मँ मिनितो नागत आ हवाको। हूदा एहि बचनाकेँ पढ़नाक रौद तामस, घृणा सभपव नियंत्रणकेँ आ सामाजिक/ पाविराविक दायित्वकेँ सेहो अहाँ आब गंभीरतासँ नेरै, से धवि पक्का अछि। हूदा एकव एकठा शीत अछि जे एकवा समे निकानि कइ एक्क उखड़ हाँमे पढ़ि जाग।

एडिटर चोगस सीरीज-३ (डाउनलोड लिंक)

एडिटर चोगस सीरीज-३

जगदीश प्रसाद मन्दनक नयुकथा "रिसाई": १९४२-४३ क अकानमे रँगानमे १३ लाख लोक हूगना, हूदा अमर सैन निखेत छथि जे हुनकव कोना सब-संस्क्रि एहि अकानमे नहि मवनहि। मिथिलोमे अकान आँन १९७१ ई. मे आ गन्दिबा गाँधी जखन एहि स्फोट अनी तँ हुनका देखाउन गेल जे कोना हूसर जातिक लोक रिसाई था कइ एहि अकानकेँ जीति नेरहि। मैथिलीमे लेखनक एकलगाह स्थिति रिदेहक आगमनसँ पहिने छन। मैथिलीक लेखक लोकनि सेहो अमर सैन जेकाँ ओहि महारितीषिकासँ प्रभावित नहि छना आ तँ रिसाईपव कथा नहि निखि सकना। जगदीश प्रसाद मन्दन एहिपव कथा निखनहि जे प्रकाशित भेल चेतना समितिक पत्रिकामे, हूदा कार्यकारी सम्पादक द्वारा रतनी परिवर्तनक कावण ओ मैथिलीमे नहि रवण अरुष्टमे निखन रूमा पढ़न, आ ओतेक प्रभारी नहि भइ सकन कावण विषय बहै आँटी आ रतनी प्रतिम। से एकव पुनः ई-

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



वि दे ह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूना २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९) प्रकाशिन अपन अमली कपमे भेन रिदेहमे आ आ संकनित भेन "गामक जिनगी" नघुकथा संग्रहमे । एहि पौखीपव जगदीश प्रसाद मन्दनकेँ टैगोब निठरेचव अराई भेठेननि । जगदीश प्रसाद मन्दनक लेखनी मैथिली कथाधारकेँ एकलगाह हेरासँ रीचा नेनक, आ मैथिलीक समानांतर अतिहासमे मैथिली साहित्यकेँ दू कानखलमे रीँटि कइ पढ़ए जाए नागन- जगदीश प्रसाद मन्दनसँ पूर् आ जगदीश प्रसाद मन्दन आगमनक रीद । तँ प्रस्तुत अछि नघुकथा रिसाई- अपन स्वचा स्वकपमे ।

एडिटरस चोगस सीरीज-७ (डाउनलोड लिंक)

एडिटरस चोगस सीरीज-१

मैथिलीक पहिन आ एकमात्र दनित आमेकथा: सन्दीप कृमाव साहली । सन्दीप कृमाव साहलीक दनित आमेकथा जे अहाँकेँ अपन नघू आकावाक अछिेति हिनोई देत आ अहाँक आ स्थिति कइ देत जे समानांतर मैथिली साहित्य कतरौ पढ़ू अहाँकेँ अछिेति नहि होयत । आ आमेकथा रिदेहमे आ-प्रकाशित भेनाक रीद लेखकक पौखी "रैशोथमे दनानपव"मे संकनित भेन आ आ मैथिलीक अखन धरिक एकमात्र दनित आमेकथा थिक । तँ प्रस्तुत अछि मैथिलीक पहिन दनित आमेकथा: सन्दीप कृमाव साहलीक कनमसँ ।

एडिटरस चोगस सीरीज-१ (डाउनलोड लिंक)

एडिटरस चोगस सीरीज-+

नेना भुठकाकेँ बातिमे स्वनेरा नेन किछ लोककथा (रिदेह पेठावसँ) ।

एडिटरस चोगस सीरीज-+ (डाउनलोड लिंक)

एडिटरस चोगस सीरीज-९

मैथिली गजनपव पविचर्चा (रिदेह पेठावसँ) ।

एडिटरस चोगस सीरीज-९ (डाउनलोड लिंक)

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ यं अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९)

जगदीश प्रसाद मन्दन जीक ७३ ठा पौथीक नर संस्करण रिदेहक २३३

(Vi de ha _01_09_2017) सँ २३० (Vi de ha _15_05_2018) धरिक अंकमे धावाराहिक प्रकाशिन नीचाँक निंकपव पढ़ू:-

VI DEHA_233	VI DEHA_234	VI DEHA_235	VI DEHA_236	VI DEHA_237	VI DEHA_238
VI DEHA_239	VI DEHA_240	VI DEHA_241	VI DEHA_242	VI DEHA_243	VI DEHA_244
VI DEHA_245	VI DEHA_246	VI DEHA_247	VI DEHA_248	VI DEHA_249	VI DEHA_250

रिदेह ई-पत्रिकाक रीडन बचनाक संग-
मैथिलीक सर्वांगीण बचनाक एकठा समानानुब संकनन:

रिदेह: सदेह: ९ (२००४-०९) देरनागरी

रिदेह: सदेह: ९ (२००४-०९) तिवहता

रिदेह:सदेह:२ (मैथिली प्रश्न-निर्णय-समानोचना २००९-१०) देरनागरी

रिदेह:सदेह:२ (मैथिली प्रश्न-निर्णय-समानोचना २००९-१०) तिवहता

रिदेह:सदेह:३ (मैथिली पद्य २००९-१०)देरनागरी

रिदेह:सदेह:३ (मैथिली पद्य २००९-१०) तिवहता

रिदेह:सदेह:४ (मैथिली कथा २००९-१०)देरनागरी

रिदेह:सदेह:४ (मैथिली कथा २००९-१०) तिवहता

रिदेह मैथिली रिहनि कथा [रिदेह सदेह ३]देरनागरी

रिदेह मैथिली रिहनि कथा [रिदेह सदेह ३] तिवहता

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृताम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूना २०२२ (वर्ष ९३ मास ९१३ अंक ३४९)

रिदेह मैथिली रिहनि कथा [रिदेह सदेह ३]- दोसब संकवण देरनागरी

रिदेह मैथिली नघुकथा [रिदेह सदेह ३]देरनागरी

रिदेह मैथिली नघुकथा [रिदेह सदेह ३] तिवहता

रिदेह मैथिली पद्य [रिदेह सदेह १]देरनागरी

रिदेह मैथिली पद्य [रिदेह सदेह १] तिवहता

रिदेह मैथिली नाठाँ उमेर [रिदेह सदेह +]देरनागरी

रिदेह मैथिली नाठाँ उमेर [रिदेह सदेह +] तिवहता

रिदेह मैथिली शिशु उमेर [रिदेह सदेह ९]देरनागरी

रिदेह मैथिली शिशु उमेर [रिदेह सदेह ९] तिवहता

रिदेह मैथिली प्ररँख-निरँख-समानोचना [रिदेह सदेह ९०]देरनागरी

रिदेह मैथिली प्ररँख-निरँख-समानोचना [रिदेह सदेह ९०] तिवहता

रिदेह:सदेह ९९

रिदेह:सदेह ९९

रिदेह:सदेह ९३

Maithili Books can be downloaded from [MAITHILI BOOKS](#)

रिदेह सम्मान: सम्मान-सूची (समानानुब साहित्य अकादेमी पुरस्कार सहित)

मैथिलीक रत्न

९

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९) मैथिलीक रत्न- रिदेह मैथिली मानक भाषा आ मैथिली भाषा सम्पादन पाठ्यक्रम

भाषापक

२

मैथिलीक रत्नमे पर्याप्त रिरिधता छि । अदा प्रश्नपत्र देखना उत्तर एकव रत्न गङ्गा BMAF001 सँ प्रेषित बुनागत छि, से एकव एकवा एक उखड़ हाते उनठा-पुनठा दियो, ततरे धरि पर्याप्त छि । यू.पी.एस.सी. क मैथिली (कम्पनसरी) पेपब नेन सेहो ई पर्याप्त छि, से जे रिद्यार्थी मैथिली (कम्पनसरी) पेपब नेने छथि से एकव एकठा आव फास्ट-वीडिंग दोसब-उखड़ हाते कबथि।

IGNOU गङ्गा BMAF-001

सूचना/ घोषणा

"रिदेह सम्मान" समानानुब साहित्य अकादेमी प्रबन्धक नामसँ प्रचलित छि । "समानानुब साहित्य अकादेमी प्रबन्धक" (मैथिली), जे साहित्य अकादेमीक मैथिली रिभागक गएव सांरिधानिक काजक रिरोधमे श्रु कएन छन, नेन अन्वर्षा आम्नित छि ।

अन्वर्षा निम्न कोठि सभमे आम्नित छि:

- १) फेनो
- २) मून प्रबन्धक
- ३) रौन-साहित्य
- ४) हरा प्रबन्धक आ
- ५) अन्वराद प्रबन्धक ।

प्रबन्धक सभ फागटेरिया साहित्य अकादेमी, दिल्लीक समानानुब प्रबन्धक समक्ष बहत, जे एहि निंक sahitya-akademi.gov.in पब उपनछ् छि । अपन अन्वर्षा editorial.staff.videha@gmail.com पब पठाउ ।

गजेन्द्र ठाकुर

"रिरीपीडिया"मे मैथिलीक रौद मैथिली "गुगन ट्राभनेट"मे सेहो.. अगिना नम्ब "अमेजन अनेक्का"

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृताम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९)

गूगल ट्रांसलेट

गूगल ट्रांसलेटक लिंक

<https://translate.google.com/?sl=en&tl=mai&op=translate>

गूगल ट्रांसलेटके खाव पृष्ठ कबरौक खगता छै तग नेन अगिना काज अह १ बहन डी:

<https://translate.google.com/about/contribute/>

श्रीवस्तु:

रिकीपीडिया ०९ फरवरी २००४ लिंक

[https://books.google.co.in/books?id=VC-](https://books.google.co.in/books?id=VC-BD5Ad6z4C&pg=PA1&pg=PA1#v=onepage&q&f=false)

[BD5Ad6z4C&pg=PA1&pg=PA1#v=onepage&q&f=false](https://books.google.co.in/books?id=VC-BD5Ad6z4C&pg=PA1&pg=PA1#v=onepage&q&f=false) (मैथिली देरनागरी)

<https://books.google.co.in/books?id=cTezCU59bJwC&pg=PP1&pg=PP1#v=onepage&q&f=false> (मैथिली तिवहता)

<https://books.google.co.in/books?id=3zKudz6wA08C&pg=PP1&pg=PP1#v=onepage&q&f=false> (मैथिली ब्रैन)

गूगल ट्रांसलेट २३ जून २०१९क लिंक

<https://www.facebook.com/groups/videha/permalink/1384894162291951/>

गूगल ट्रांसलेशन टूलमे

"रिहावी" भाषाक रचनामे मैथिली नेन खनग ट्रांसलेशन टूल रनेरौक आरेदन रिदेहक सदस्यगण द्वारा देन गेल अछि । अपन योगदान गूगल ट्रांसलेट नेन कक, आ कएन सम्पादन रचनाका कान कावण मे (अंग्रेजीमे) "रिहावी" नामा कोनो भाषा नै हेरौक चर्चा कक । ए लिंकपव खबरद कक; गूगल एकाउण्टस नङ गन केनाक राद ।

<http://www.google.com/transconsole/giyl/chooseProject>

[http://www.google.com/transconsole/giyl/chooseActivity?project=gws&langcode=bh \(links closed\)](http://www.google.com/transconsole/giyl/chooseActivity?project=gws&langcode=bh(links closed))

रिकीपीडिया मैथिली लिंक

रिदेह (पत्रिका) <https://mai.wikipectia.org/s/kgv>

अन्टवनेटक संसाधमे मैथिली भाषा <https://mai.wikipectia.org/s/s6h>

भानसबिक गाछ <https://mai.wikipectia.org/s/ipm>

रिदेह <https://mai.wikipectia.org/s/ie1>

रिदेहक फेसबुक भर्जन <https://mai.wikipectia.org/s/iu1>

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

विदेह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ यं अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९)

रिदेह सम्मान <https://mai.wiki.pedia.org/s/lj c2>

रिदेह आर्कागठ <https://mai.wiki.pedia.org/s/lj c0>

रिदेह मिथिना बने <https://mai.wiki.pedia.org/s/lj c3>

रिदेह मिथिनाक खोज <https://mai.wiki.pedia.org/s/lj c4>

रिदेह सूचना संपर्क अक्षरणी <https://mai.wiki.pedia.org/s/lj c5>

श्रुति प्रकाशिन <https://mai.wiki.pedia.org/s/i u7>

अनचिन्हाव आखब <https://mai.wiki.pedia.org/s/i on>

मैथिली गजन <https://mai.wiki.pedia.org/s/i dz>

मैथिली रान गजन <https://mai.wiki.pedia.org/s/i ex>

मैथिली भक्ति गजन <https://mai.wiki.pedia.org/s/i f 1>

<http://translatewiki.net/wiki/Project:Translator> http://meta.wiki.media.org/wiki/Requests_for_new_languages/Wiki.pedia_Maithili

<http://translatewiki.net/wiki/Special:Translate?task=untranslated&group=core-mostused&limit=2000&language=mai>

<http://incubator.wiki.media.org/wiki/Wp/mai>

<http://translatewiki.net/wiki/MediaWiki:Mainpage/mai>

अंतिम पाँच सागठ रिकी मैथिली प्रोजेक्टक अंति। एहि निक सभ पब जा कय प्रोजेक्टकेँ आगाँ रूँ। (links closed)

अमेजन अनेका मैथिली (शीघ्र....)

"रिकीपीडिया"मे मैथिलीकराद मैथिली "गूगल ट्रान्सेट"मे सेहो.. अगिना नम्र "अमेजन अनेका"

रिदेहक तेसव अंकमे (०९ फरवरी २००५) जे अश्विनरी पाठक लोकनिकेँ मैथिली रिकीपीडियाक सङ्ग्रहमे देन गेन छन तकब सुखद परिणति कएक सान पहिने भेटन छन।

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

विदेह विदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृताम् 'विदेह' ३४९ म अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष ९३ मास ९१३ अंक ३४९) मैथिली गुगन ट्रान्स्नेटक सम्वत्सरे विदेहक फेसबुक पृष्ठपव २०११ मे देन गेन तकव स्वथद परिणति ११ मग २०२२ के भेटेन ।

मैथिली अमेजन अनेक्याक सेहो आवम्भ शीघ्रे रहत ।

(निक-स्फीनचित्र नीचाँ देन जा बहन अछि ।)

<https://books.google.co.in/books?id=VC-BD5Ad6z4C&pg=PA1&pg=PA2#v=onepage&q&f=false>
<https://www.facebook.com/groups/videha/permalink/138489416229195/>



विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

9:25



Videha 'विदेह' प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका १ फरवरी २००८ (वर्ष १ मास २ अंक ३)

विदेह मासिक पत्रिका Videha Maithili Fortnightly e Magazine विदेह

Videha विदेह <http://www.videha.co.in>

पत्रिका

विकीपीडिया पर मैथिली पर लेख तँ छल मुदा मैथिलीमे लेख नहि छल, कारण मैथिलीक विकीपीडियाक स्वीकृति नहि भेटल छल। हम बहुत दिनसँ एहिमे लागल रही, ओ सूचि करैत हर्षित छी जे 27.01.2008 कें भाषाकें विकी शुरू करबाक हेतु स्वीकृति भेटल छैक, मुदा एहि हेतु कमसँ कम पाँच गोटे, विभिन्न जगहसँ एकर एडिटरक रूपमे नियमित रूपेँ कार्य करथि तखने योजनाकें पूर्ण स्वीकृति भेटतैक। नीचाँ लिखल लिंक पर जाय एडिट कय एहि प्रोजेक्टमे अहाँ सभ सहयोग करव, से आशा अछि। पछिला अंकमे देवनागरी कोना लिखू, एहि पर हम लेख लिखने रही। इंगलिश कीबोर्ड पर ओहि तरहेँ लिखने विकीमे सेहो मैथिली लिखि सकैत छी। एम. गेराईक माध्यमसँ श्री अंशुमन पाण्डेयक, जिनकर मैथिलीक युनीकोडमे स्थानक आवेदन लंबित अछि, अनुरोध भेटल छल, ओ सूचना मँगलन्हि जाहि सँ स्पष्ट रूपसँ बंगला लिपि आ' मैथिली लिपिक मध्य अंतर ज्ञात भय सकय। सूचना हम एम. गेराईक माध्यमसँ हुनका पठा देलियन्हि, कारण पाण्डेयजी ईमेल एड्रेस हमरा नहि अछि। विकीमे पूर्ण स्वीकृतिक हेतु एहि लिंक सभ पर राखल प्रोजेक्टकें आँगा बढाऊ।

http://meta.wikimedia.org/wiki/Requests_for_new_languages/Wikipedia_Maithili

<http://incubator.wikimedia.org/wiki/Wp/mai>

<http://translatewiki.net/wiki/MediaWiki:Mainpage/mai>

<http://translatewiki.net/wiki/Specal:Translate?task=untranslated&group=core-mostused&limit=2000&language=mai>

अपनेक प्रतिक्रिया आ' रचनाक प्रतीक्षा अछि।

नई दिल्ली

01.02.2008

प्रतिभा

● संपादिका लेखकाचीन आ' जतय लेखकक नाम नहि अछि ततय संपादिकाचीन।

विदेह (पाक्षिक) संपादक-बजेन्द्र ठाकुर। एतय प्रकाशित रचना सभक कॉपीराइट लेखक लोकनिक सभमे रहतन्हि, मात्र एकर प्रथम प्रकाशनक अधिकार एहि ई-पत्रिकाकें छैक। रचनाकार अप्पन मौलिक आ' अक्षरक रचना सभ(अक्षर मौलिकताक संपूर्ण उत्तरदायित्व लेखकसभक मध्य छन्हि) ggajendra@yahoo.co.in आ' ggajendra@videha.co.in कें मेल अटैचमेन्टक रूपमे .doc, .docx, .txt किंवा .pdf फॉर्मेटमे पठाव सकैत छथि। रचनाक संग रचनाकार अप्पन सक्षिप्त परिचय(बायोडाटा) आ' अप्पन स्कैन कएल मेल फोटो पठावाह, से ज्ञात करैत छी। रचनाक संग ई घोषणा रहब-जे ई रचना मौलिक अछि आ' पहिल प्रकाशनक हेतु विदेह(पाक्षिक)-ई-पत्रिकाकें देल जा रहल अछि। मेल प्राप्त होवबाक बाद ब्यासंगव शीघ्रतासँ (सात दिनमे) एकर प्रकाशनक बंकक सूचना देल जावत।

वि दे ह बिदेह Videha बिदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha:
Ist Maithili Fortnightly eJournal बिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका बिदेह: मैथिली साहित्य
श्रान्दानन: मासिकीय सञ्चालन 'बिदेह' ३४९ य अंक ०९ जूना २०२१ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९)

9:53



Gajendra Thakur shared a link.



Admin 23 Jun 2011 •

गूगल ट्रांसलेशन टूलमे "बिहारी" भाषाक बदलामे मैथिली लेल अलग
ट्रांसलेशन टूल बनेबाक आवेदन विदेहक सदस्यगण द्वारा देल गेल अछि।
अपन योगदान गूगल ट्रांसलेट लेल करू, आ कएल सम्पादन बदलबा काल
कारण मे (अंग्रेजीमे) "बिहारी" नाम्ना कोनो भाषा नै हेबाक चर्चा करू। ऐ
लिंकपर अनुवाद करू; गूगल एकाउंट सँ लॉग इन केलाक बाद ।

<http://www.google.com/transconsole/giyl/chooseProject>
<http://www.google.com/transconsole/giyl/chooseActivity?project=gws&langcode=bh>

google.com

Google in Your Language



Like



Comment



Send



You, Ashish Anchinar and 7 others



Gajendra Thakur

Author Admin ...

नीचाँक पाँचू साइट विकी मैथिली प्रोजेक्टक अछि, प्रोजेक्टकेँ
आगाँ बढ़ाऊ।

<http://translatewiki.net/wiki/Project:Translator>

[http://meta.wikimedia.org/wiki/
Requests_for_new_languages/
Wikipedia_Maithili](http://meta.wikimedia.org/wiki/Requests_for_new_languages/Wikipedia_Maithili)

[http://translatewiki.net/wiki/Special:Translate?
task=untranslated&group=core-
mostused&limit=2000&language=mai](http://translatewiki.net/wiki/Special:Translate?task=untranslated&group=core-mostused&limit=2000&language=mai)



Write a comment...



ement

वि दे ह रिदेह Videha बिदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha:
Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य
आन्दोलन: मातृसंस्थान संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जून २०११ (वर्ष १३ मास ११ अंक ३४९)

9:54



Gajendra Thakur shared a link.



Admin 23 Jun 2011 ·

<http://www.google.com/transconsole/giyl/chooseProject>
<http://www.google.com/transconsole/giyl/chooseActivity?project=gws&langcode=bh>

google.com

Google in Your Language



Like



Comment



Send



You, Ashish Anchinhar and 7 others



Gajendra Thakur

Author

Admin



नीचाँक पाँचू साइट विकी मैथिली प्रोजेक्टक अछि, प्रोजेक्टकेँ
आगाँ बढ़ाऊ।

<http://translatewiki.net/wiki/Project:Translator>

[http://meta.wikimedia.org/wiki/
Requests_for_new_languages/
Wikipedia_Maithili](http://meta.wikimedia.org/wiki/Requests_for_new_languages/Wikipedia_Maithili)

[http://translatewiki.net/wiki/Special:Translate?
task=untranslated&group=core-
mostused&limit=2000&language=mai](http://translatewiki.net/wiki/Special:Translate?task=untranslated&group=core-mostused&limit=2000&language=mai)

<http://incubator.wikimedia.org/wiki/Wp/mai>

[http://translatewiki.net/wiki/
MediaWiki:Mainpage/mai](http://translatewiki.net/wiki/MediaWiki:Mainpage/mai)

10 y

Like

3



ent

वि दे ह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूना २०२२ (वर्ष ९३ मास ९१३ अंक ३४९) ओहि समयमे रिदेह सम्पादक मन्दनमे ए नोकनि बहथि: सह-सम्पादक: उमेश मंडन । सहायक सम्पादक: शिर ह्माव ना आ झल्लाजी (मनोज ह्माव कर्ण) । भाषा सम्पादन: नागेन्द्र ह्माव ना आ पञ्चिकाव रिद्वानन्द ना । कला-सम्पादन: रनीता ह्मावी आ बग्मि बेथा सिन्हा । सम्पादक-शोध-अभ्युपेक्षा: डा. जया रमा आ डा. बाजीर ह्माव रमा । सम्पादका नाटक-बंगमंच-चलचित्र: रैचन ठाकुर । सम्पादक सूचना-सम्पर्क-समाद: पूनम मंडन आ प्रियंका ना । सम्पादक अन्वराद रिभाग: रिनीत उपेन । स्पष्ट, अक्षि जे "सम्पादक अन्वराद रिभाग" रिनीत उपेन (आर्र अस्मिन्ष्ट प्रोफेसर, आ.ग.आ.ग.एम.सी. जन्म) क विशेष सहयोग बहन, आशीष अन्चिन्हाव सम्पादक मन्दन मे नहियो बहना उतब कोनो सम्पादकसँ कम काज ले करैत छथि । मैथिलीके पाठक रक्षा सेहो अपन यथाशक्ति योगदान देलनि ।

<https://books.google.co.in/books?id=zmlugpj pOKYC&lpg=PA1&pg=PA600#v=onepage&q&f=false>

<https://books.google.co.in/books?id=-U04e5Ff nTEC&lpg=PA1&pg=PA405#v=onepage&q&f=false>

<https://books.google.co.in/books?id=-U04e5Ff nTEC&lpg=PA1&pg=PA405#v=onepage&q&f=false>

गूगल ट्रान्स्लेटकेँ आब पुस्तक कवरक खगता छै तब तेन अगिला काज अह १ बहन छी:
<https://translate.google.com/about/contribute/>

गूगल ट्रान्स्लेट कार्यक्रम देखू

<https://youtu.be/nP-nMZpLM1A>

Google Translate:04:45 to 06:25 (24 new languages at 06:00)

Detailed Description

Tune in to find out about how we're furthering our mission to organize the world's information and make it universally accessible and useful. To watch this keynote with American Sign Language (ASL) interpretation, please click here: <https://youtu.be/PeUXBvRExi c>

0:00 Opening Film

1:47 Introduction, Sundar Pichai

6:21 Knowledge

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह रिदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal रिदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूना २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९)

15:45 Knowledge&Search
27:15 Skin Tone Equity
32:00 Computing
33:08 Assistant
43:34 Computing: AI Test Kitchen
53:08 Safer with Google
1:04:38 Safer Way to Search
1:11:20 Android: Opening
1:45:45 Android: Wear OS&Tablet
1:25:32 Android: Better Together
1:31:22 Hardware: Opening
1:33:22 Hardware: Pixel Phone&Buds
1:45:44 Hardware: Ambient&Beyond the Phone
1:54:32 Augmented Reality&Close



रिदेह:मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम्: VI DEHA: AN I D E A F A C T O R Y

(c)२०००-२०२२. सर्वाधिकार लेखकाधीन आ जतऽ लेखकक नाम ले छति ततऽ संपादकाधीन । रिदेह- प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका ISSN 2229-547X VI DEHA संपादक: गजेन्द्र ठाकुर । सह-संपादक: डा॰ उमेश मंडन । सहायक संपादक: राम रिनस साहू, नन्द रिनस बाय, मन्दीप कुमार साहू आ झुल्लुजी (मनोज कुमार कर्ण) । संपादक- नाटक-वंगमंच-चलचित्र- रैचन ठाकुर । संपादक- सूचना-सम्पर्क-समाद- पूनम मंडन । संपादक -स्त्री कोना- गवा मल्लिक ।

बचनाकाब अपन मौनिक आ अप्रकाशित बचना (जकर मौनिकताक संपूर्ण उत्तरदायित्व लेखक गणक मध्य छति) editorial.staff.videha@gmail.com केँ मेन अटैचमेन्टक रूपमेँ .doc, .docx, .rtf आ .txt फार्मेटमे पठा सकै छथि । एतऽ प्रकाशित बचना सबक कापीवागठ लेखक/संग्रहकर्ता लोकनिक नगमे बहति, 'रिदेह' प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका मात्र एकव प्रथम प्रकाशक/ प्रिंटर-रेर आर्काइवर/ आर्काइवर अनुरादक आ आर्काइवर ई-प्रकाशक/ प्रिंटर-प्रकाशक अपिकाब ए

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VI DEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृतम् ISSN 2229-547X VI DEHA: Maithili Literature Movement

विदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha: Ist Maithili Fortnightly eJournal विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृताम् 'रिदेह' ३४९ म अंक ०९ जूनाग २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९) ई-पत्रिकाले छै, आ से हानि-नाभ बहित आधावपव छै आ तेँ ए नैन कोनो बाँयलैक/ पावित्रैमिकक प्रारधान ले छै । तेँ बाँयलैक/ पावित्रैमिकक गछुक रिदेहसँ ले जूझि, से आग्रह । बचनाक संग बचनाकाव अपन संस्क्रिप्तु परिचय आ अपन स्तन कएन गेन होठे पठैताह, से आशी करैत छी । बचनाक अंतमे ठाँगप बहय, जे ई बचना मौनिक अछि, आ पहिन प्रकाशिनक हेतु रिदेह (पाक्षिक) ई पत्रिकाले देन जा बहन अछि । मेन प्राप्त होयराँक बाद यथासंभव शीघ्र (सात दिनक भीतव) एकव प्रकाशिनक अंकक सूचना देन जायत । एहि ई पत्रिकाले श्रीमति नन्मयी ठाकुर द्वारा मासक ०९ आ १३ तिथिकेँ ई प्रकाशित कएन जागत अछि ।

(c) २०००-२०२२ सराधिकार स्ववस्क्रित । रिदेहमे प्रकाशित सबठा बचना आ आर्कागरक सराधिकार बचनाकाव आ संग्रहकतुकि नगमे छन्हि । भानसबिक गाछ जे सन २००० सँ यादसिठीजपव छन http://www.geocities.com/.../bhal_sarik_gachh.html , <http://www.geocities.com/ggajendra> आदि लिंकपव आ अथनो ३ जूनाग २००८ क पोस्ट

http://gajendrat hakur.blogspot.com/2004/07/bhal_sarik_gachh.html (किछु दिन नैन http://videha.com/2004/07/bhal_sarik_gachh.html लिंकपव, आत wayback machine of https://web.archive.org/web/*/videha 258 capture(s) from 2004 to 2016- <http://videha.com/> भानसबिक गाछ-प्रथम मैथिली रूनांग / मैथिली रूनांगक एहीगेठव) केव रुपमे गन्ठबनेठपव मैथिलीक प्राचीनतम उपस्थितक रुपमे रिद्यमान अछि । ई मैथिलीक पहिन गन्ठबनेठ पत्रिका थिक जेकर नाम बादमे १ जनवर २००४ सँ "रिदेह" पड़लै । गन्ठबनेठपव मैथिलीक प्रथम उपस्थितिक यात्रा रिदेह- प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका धरि पहुँचन अछि, जे <http://www.videha.co.in/> पव ई प्रकाशित होगत अछि । आर "भानसबिक गाछ" जानरुत 'रिदेह' ई-पत्रिकाक प्रकाशक संग मैथिली भाषाक जानरुतक एहीगेठवक रुपमे प्रयाज भव बहन अछि । रिदेह ई-पत्रिका ISSN 2229-547X VIDEHA

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory

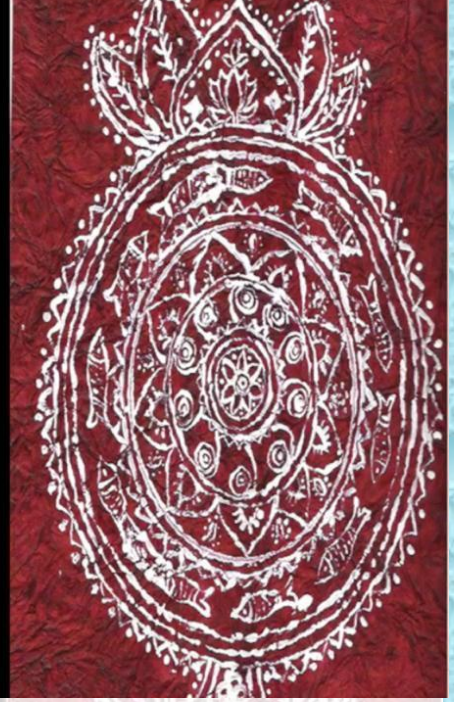


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement

वि दे ह विदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका Videha:
Ist Maithili Fortnightly eJournal विदेह: प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका विदेह: मैथिली साहित्य
आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृताम् 'विदेह' ३४९ म अंक ०९ जूना २०२२ (वर्ष १३ मास ११३ अंक ३४९)



*Videha
e-Learning*



Gajendra Thakur



*Videha
e-Learning*



Gajendra Thakur

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन VIDEHA: An Idea Factory



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA: Maithili Literature Movement